WEEKLY

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 अंक: 09 पृष्ठ: 8 अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) जयपुर, बुधवार 16 सितंबर, 2026 मूल्य: ₹10.00 प्रभात RNI NO. RJMUL/26/A4290

बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट मामले में NCPCR ने Meta India के MD और हेड को भेजा समन

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े मटीरियल (CSEAM) वाले विज्ञापनों के मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) ने Meta India के MD और हेड को एक बार फिर समन भेजा है। आयोग ने मामले की औपचारिक जांच शुरू करने के बाद यह कार्रवाई की है। मामले में सुनवाई 16 सितंबर (बुधवार) को तय की गई है। दरअसल, NCPCR ने 3 जुलाई 2026 को Meta को CSEAM से जुड़े विज्ञापनों के मामले में नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। Meta की ओर से करीब एक सप्ताह बाद आयोग को जवाब सौंपा गया। जवाब मिलने के बाद NCPCR ने मामले की वास्तविकता का पता लगाने और तथ्यों की जांच के लिए औपचारिक जांच शुरू करने का फैसला किया। इसी जांच के सिलसिले में आयोग ने Meta India के MD और हेड को दोबारा समन भेजकर सुनवाई के लिए तलब किया है। NCPCR इस दौरान मामले से जुड़े तथ्यों और Meta की ओर से उठाए गए कदमों की जानकारी लेगा। अब Meta की ओर से ऐसे मामलों की रिपोर्ट भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) को किए जाने की बात सामने आई है।

गुरुग्राम: महिला बाइकर को टक्कर मारने के मामले में दो लोग गिरफ़्तार

थिंक राजस्थान

दौसा। दौसा सदर पुलिस थाने के एसएचओ युधिष्ठिर सिंह ने कथित अभियुक्त कल्याण बैंसला और लवनीश की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने मीडिया को बताया कि सोहना से एएसआई और हेड कॉन्स्टेबल की एक टीम ने स्थानीय पुलिस को आकर सूचना दी है कि उन्होंने दोनों को हिरासत में लिया है। वहीं, कथित अभियुक्त कल्याण बैंसला के वकील नवीन बैंसला ने इस घटना को हिट एंड रन नहीं, बल्कि लापरवाही का मामला बताया है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, 'दोनों रेस लगा रहे थे। बाइकर्स के ग्रुप में 20-30 राइडर्स शामिल थे, जो रोड पर बहुत तेज गाड़ी चलाते हुए साथ में चल रहे लोगों पर फब्तियां कस रहे थे और उन्हें प्रताड़ित कर रहे थे। रेस लगाने के लिए उकसा रहे थे। ओवर स्पीड की वजह से ये टक्कर हुई है, जो कि कुल मिलाकर एक लापरवाही का मामला है।' दूसरी ओर, रविवार को सिया नाम की जिस महिला बाइकर को एक कार सवार ने टक्कर मारी थी, उन्होंने मीडिया से बातचीत में बताया कि वह घटना के बाद बहुत डर गई थीं। उन्होंने कहा, 'मेरी बाइक के ब्रेक टूट गए थे। वो बाइक चलाने लायक नहीं रह गई थी। दूसरे एक राइडर ने मुझे पीछे बिठाया।' सिया ने बताया कि उसके बाद उन्होंने फर्स्ट एड लिया। उन्होंने कहा, 'मैं बाइक चला ही नहीं पा रही थी।

दो हज़ार रुपये से अधिक की इस यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज, जानिए आम लोगों पर क्या होगा असर

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। अब 2,000 रुपये से ऊपर की पर्सन्स टू मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई पेमेंट पर 0.14% की फीस लगेगी और 75 हजार रुपये या उससे अधिक की पेमेंट पर 300 रुपये से ज्यादा फीस नहीं लगेगी। यहां यह बताना बेहद जरूरी है कि यह शुल्क मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) है। एमडीआर वह शुल्क है जो पेमेंट सिस्टम में मर्चेंट की तरफ से बैंक और दूसरे पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को दिया जाता है, न कि यूजर्स से लिया जाता है। इस लिहाज से यूपीआई पेमेंट पर इस तरह के चार्ज लगने का सीधे तौर पर आम उपभोक्ताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एनपीसीआई ने बताया है कि उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई को पूरी तरह निःशुल्क रखते हुए, कुछ चुनिंदा मर्चेंट (व्यापारिक) लेनदेन पर एक संशोधित यूपीआई मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) ढांचा पेश किया गया है, जो 15 अक्टूबर 2026 से लागू होगा। एनपीसीआई ने बयान में बताया है कि इस ढांचे के तहत 2,000 रुपये से कम के 95% से कम मूल्य वाले यूपीआई लेनदेन और छोटे व्यापारियों के लेनदेन (पी2पीएम) को पूरी तरह से मुफ्त रखा गया है, और छोटे व्यापारियों के बीच यूपीआई स्वीकार्यता के विस्तार का समर्थन करने के लिए एक नए फंड का प्रस्ताव किया गया है। एनपीसीआई ने अपने ताजा बयान में अलग-अलग तरह की पेमेंट पर लगने वाले चार्ज के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। जैसे- ग्राहक हमेशा की तरह यूपीआई का उपयोग करके बिना किसी लागत के लेनदेन करना जारी रखेंगे। 2,000 रुपये तक के पर्सन-टू-पर्सन (पी2पी) लेनदेन और पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन एमडीआर के दायरे से बाहर रहेंगे। पर्सन-टू-पर्सन मर्चेंट (पर्सन2पीएम) ढांचे के तहत काम करने वाले छोटे व्यापारियों को जीरो एमडीआर का फायदा मिलता रहेगा। यह कैटेगरी उन छोटे वेंडर्स का समर्थन करती है, जो यूपीआई क्यूआर भुगतानों के जरिए सीधे अपने बैंक खातों में हर महीने एक लाख रुपये तक हासिल करते हैं, जिससे असंगठित खुदरा क्षेत्र में डिजिटल भुगतान की स्वीकार्यता को बढ़ावा मिलता है। डिजिटल भुगतान को और तेजी से अपनाने के लिए, छोटे व्यापारियों के लिए एक

समर्पित फंड स्थापित किया जाएगा, जो मौजूदा व्यापारियों और टियर-3 व छोटे बाजारों में डिजिटल भुगतान के बुनियादी ढांचे का समर्थन करेगा। स्पेसिफाइड मर्चेंट श्रेणियां जैसे रेलवे, टेलीकॉम सेवाएं, बीमा और ईंधन में 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतानों पर प्रति लेनदेन 5 रुपये का फ्लैट एमडीआर लागू होगा। 2,000 रुपये से अधिक के पी2एम यूपीआई लेनदेन पर 0.14% का एमडीआर लागू होगा, जिसमें प्रति लेनदेन एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये तय की गई है। सभी व्यापारियों के लिए 2,000 रुपये तक के कम-मूल्य वाले यूपीआई लेनदेन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जो सभी यूपीआई पी2एम लेनदेन का 95% से अधिक हिस्सा हैं। संशोधित यूपीआई एमडीआर, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और वॉलेट सहित कई अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों से जुड़े शुल्कों की तुलना में कम बना हुआ है। हाल ही में यूपीआई पेमेंट का इस्तेमाल करने वाले लाखों लोगों के जेहन में एक चिंता पैदा हो गई थी।

दरअसल, केंद्र सरकार के एक नोटिफिकेशन के बाद इसकी चर्चा सोशल मीडिया पर भी जोर-शोर से चल रही थी। यह रोक भुगतान करने वाले और प्राप्त करने वाले, दोनों पर लागू है।

UPI पर फीस को लेकर सियासत तेज, NPCI ने राहुल गांधी के सवालों का दिया जवाब

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। UPI पेमेंट पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू करने के प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार के इस कदम पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया था कि 2,000 रुपये से अधिक के UPI भुगतान पर शुल्क लगाने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। अब नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने इन आरोपों पर सफाई दी है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा था कि 2,000 रुपये से अधिक के UPI लेनदेन की संख्या भले ही करीब 5 प्रतिशत हो, लेकिन कुल UPI ट्रांजैक्शन वैल्यू में इनकी हिस्सेदारी करीब 65 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया था कि जब ग्राहकों से सीधे शुल्क नहीं लिया जाएगा, तो दुकानदारों पर लगने वाले शुल्क का बोझ आखिर किस पर पड़ेगा। NPCI ने राहुल गांधी के दावों के जवाब में कहा कि UPI के कुल लेनदेन मूल्य में पर्सन-टू-पर्सन (P2P) ट्रांजैक्शन की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है। इन लेनदेन पर किसी भी तरह का शुल्क नहीं लगाया जाएगा। यानी एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को कितनी भी राशि UPI के जरिए भेजे, उस पर MDR लागू नहीं होगा। वहीं, दुकानदार या कारोबारी को किए जाने वाले पर्सन-टू-मर्चेंट (P2M) भुगतान के लिए अलग व्यवस्था प्रस्तावित है। इसके तहत केवल 2,000 रुपये से अधिक के कुछ मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर सीमित MDR लागू होगा। NPCI के मुताबिक, अगस्त 2026 में UPI के जरिए करीब 24.5 अरब ट्रांजैक्शन हुए। UPI का इस्तेमाल लगातार बढ़ने के साथ इसके तकनीकी नेटवर्क, साइबर सुरक्षा, नए फीचर्स और ग्राहक सहायता पर भी निवेश की जरूरत बढ़ रही है। NPCI ने इस आरोप को पूरी तरह खारिज किया है।

राजस्थान को मिलेगा टौंस नदी का पानी, शेखावाटी की जनता की बल्ले-बल्ले, 6 राज्यों के सीएम ने किए हस्ताक्षर

थिंक राजस्थान

जयपुर। देश में लंबे समय से अटकी जल परियोजनाओं को गति देने की दिशा में मंगलवार को बड़ा कदम उठाया गया। किशाऊ बहुद्देशीय परियोजना को लेकर छह राज्यों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे राजस्थान को टौंस नदी पर प्रस्तावित किशाऊ बांध से 124 एमसीएम पानी मिलेगा। यह पानी ताजेवाला हैड से चूरू के हासियावास तक प्रस्तावित तीन पाइपलाइन के जरिए राजस्थान पहुंचेगा। इससे सीकर, चूरू, झुंझुनूं और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल तथा अन्य आवश्यकताओं के लिए जल उपलब्ध होगा। समझौते के तहत हिमाचल प्रदेश अपने हिस्से का 95 प्रतिशत पानी राजस्थान और दिल्ली को दे रहा है। इसके बदले दिल्ली और राजस्थान हिमाचल के विद्युत घटक की लागत वहन करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में यहां उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों ने करार पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी मौजूद रहे। हिमाचल प्रदेश अपने बिजली के हिस्से का भुगतान नहीं कर रहा था, जिसके चलते यह परियोजना अटकी हुई थी। अब हिमाचल प्रदेश के जल हिस्से का 95 प्रतिशत भाग दिल्ली और राजस्थान को दिया जाएगा। पांच प्रतिशत पानी हिमाचल अपने पास रखेगा। 95 प्रतिशत में से 75 प्रतिशत पानी दिल्ली और 25 प्रतिशत राजस्थान को मिलेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस समझौते को राज्यों के बीच आपसी सहयोग की मिसाल बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास-सबका विश्वास' के विजन को तेजी से आगे बढ़ाया है। इससे राज्यों की सहमति से दशकों से अटकी परियोजनाओं का समाधान हो रहा है। प्रदेश को यमुना जल समझौता, रामजल सेतु लिंक परियोजना, नर्मदा जल

समझौता और किशाऊ बांध परियोजना जैसी बड़ी सौगातें मिली हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू मौजूद रहे। यमुना की प्रमुख सहायक टौंस नदी पर उत्तराखंड के देहरादून और हिमाचल प्रदेश के सिरमौर की सीमा पर किशाऊ बांध प्रस्तावित है। करीब 15,000 करोड़ रुपए की इस परियोजना से 660 मेगावाट जलविद्युत उत्पादन होगा। इससे राजस्थान सहित उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा लाभान्वित होंगे। समझौते के बाद अब परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए राज्यों के बीच आवश्यक समन्वय और तकनीकी प्रक्रिया को गति मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से लंबित परियोजना के लिए जल बंटवारे और विद्युत घटक से जुड़े मुद्दे प्रमुख बाधा रहे थे।

आशा कार्यकर्ताओं के लिए Good News, मासिक प्रोत्साहन राशि दोगुनी

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने आशा कार्यकर्ताओं के लिए बड़ा फैसला लिया है। उनकी मासिक प्रोत्साहन राशि को 3 हजार रुपये से बढ़ाकर 6 हजार रुपये करने का फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। यह वृद्धि दिल्ली में सभी कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं पर लागू होगी। अन्य प्रोत्साहन पहले की तरह जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आशा कार्यकर्ता दिल्ली की प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे घर-घर जाकर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देती हैं, परिवारों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करती हैं तथा गर्भवती महिलाओं और प्रसूताओं की देखभाल से संबंधित सेवाओं में सहयोग करती हैं। स्वास्थ्य एवं पोषण दिवसों, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, सर्वेक्षणों और सामुदायिक बैठकों में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

ईरान में टेकऑफ के बाद फटा प्लेन का टायर, हवा में अटकीं सैंकड़ों जानें, मशहद एयरपोर्ट पर कराई इमरजेंसी लैंडिंग

थिंक राजस्थान

दिल्ली। ईरान के मशहद एयरपोर्ट पर टेकऑफ के कुछ ही समय बाद एक प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। प्लेना का टायर हवा में ही फट गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्लेन सेफरान एयरलाइंस का बोइंग 737 था। बताया जा रहा है कि टायर फटने के बाद प्लेन के इंजन को भी काफी नुकसान पहुंचा। समय रहते पायलट ने विमान को मशहद एयरपोर्ट पर वापस लैंड कराया। विमान मशहद से केरमानशाह जा रहा था। घटना के दौरान विमान के अंदर बैठे यात्री में हाहाकार मच गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विमान में यात्रा कर रहे सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया है। किसी के घायल होने की खबर सामने नहीं आई है। ईरानी सरकार की तरफ से बताया गया कि घटना शाम के करीब पौने 6 बजे हुई। वहीं घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जो कि प्लेन में ही सवार किसी यात्री ने बनाया है।

वीडियो में दिख रहा है कि लैंडिंग के दौरान प्लेन की छत से एक टुकड़ा टूटकर यात्रियों के ऊपर गिर गया। हालांकि इसमें किसी को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद एयरपोर्ट का रनवे कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। बाद में इसे फिर से खोल दिया गया।

खेलों के महाकुंभ में 17 सितंबर से उतरेंगे भारतीय खिलाड़ी, इन गेम्स में दिखाएंगे अपना दम

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 (20वें एशियाई खेल) का आयोजन जापान देश करा रहा है। खेलों की मेजबानी मुख्य रूप से जापान के आइची प्रांत और उसकी राजधानी नागोया शहर कर रहे हैं। गेम किसी एक स्टेडियम या शहर तक सीमित नहीं हैं। प्रतियोगिताएं 54 अलग-अलग वेन्यू (खेल स्थलों) पर आयोजित की जा रही हैं। भारत ने इस महाकुंभ के लिए 508 सदस्यों का विशाल दल भेजा गया है, जो 35 खेल स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। खेलों का महाकुम्भ कहे जाने वाले एशियन गेम्स में भारत का आधिकारिक अभियान 17 सितंबर से टेकबॉल खेल के साथ शुरू होगा। उसके बाद 18 सितंबर को क्वार्टर-फाइनल में जापान के खिलाफ अपना पहला क्रिकेट मैच खेलेगी। पीवी सिंधु 20 सितंबर को इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिमनेजियम में भारत की तरफ से बैडमिंटन की कमान संभालेंगी। मीराबाई चानू वेटलिफ्टिंग में अगुवाई करेंगी। ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर निशानेबाजी में अपना दम दिखाएंगी। कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत रेसलिंग में हिस्सा लेंगे। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन साक्षी चौधरी जैसे भारतीय बॉक्सर शामिल हैं। 24 से 29 सितंबर तक होने वाले एथलेटिक्स इवेंट में 70 से ज्यादा भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट हिस्सा लेंगे। भारतीय दल में कई अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी जगह दी गई है। अलग-अलग खेलों में भारतीय खिलाड़ी अपनी हालिया अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों और तैयारियों के आधार पर मजबूत चुनौती पेश करने की कोशिश करेंगे। एशियन गेम्स में भारत के लिए शूटिंग, बैडमिंटन, कुश्ती, मुक्केबाजी, एथलेटिक्स और वेटलिफ्टिंग जैसे खेलों पर खास नजर रहेगी। क्रिकेट में भारतीय टीम की एंट्री भी प्रतियोगिता के प्रमुख आकर्षणों में शामिल है। शुरुआती मुकाबलों में टीम को परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बनाने के साथ बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलन बनाए रखना होगा। नॉकआउट चरण में हर मुकाबला अहम होगा, इसलिए खिलाड़ियों पर प्रदर्शन का दबाव भी रहेगा। वहीं वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू, निशानेबाजी में मनु भाकर और कुश्ती में अमन सहरावत जैसे खिलाड़ियों से भारतीय प्रशंसकों को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

हूती विद्रोहियों के हमले के बीच सऊदी अरब ने मक्का और जेद्दाह में जारी किए थे अलर्ट

थिंक राजस्थान

ईरान समर्थित हूती लड़ाकों के एक हफ्ते से जारी हमलों के बाद सऊदी अरब मध्य-पूर्व के युद्ध में और उलझता जा रहा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि हालांकि ये अलर्ट कुछ ही देर बाद हटा लिए गए। सऊदी अधिकारियों ने तुरंत यह नहीं बताया कि कोई मिसाइल या अन्य प्रोजेक्टाइल देश में आकर गिरा या नहीं। हमलों की जिम्मेदारी का दावा भी तत्काल किसी ने नहीं किया। हालांकि, ये अलर्ट पिछले हफ्ते संघर्ष बढ़ने के बाद सबसे बड़े इलाके में जारी किए गए थे। मक्का में पहली बार इस युद्ध के दौरान ऐसा अलर्ट जारी हुआ। मक्का वह शहर है, जहां मुसलमानों के लिए पवित्र धार्मिक स्थल काबा मौजूद है। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने पिछले एक हफ्ते में सऊदी अरब पर कई बड़े हमलों की घोषणा की है। इनमें सोमवार को एक एयरबेस पर किया गया हमला भी शामिल है।

संपादकीय

राजसमंद-आमेट में खिला कमल, देवगढ़-भीम कांग्रेस के हाथ

एजेंसी, थिंक राजस्थान

राजसमंद। नगर निकाय चुनाव के अंतिम नतीजों ने राजसमंद जिले की सियासत का नया गणित सामने रख दिया है। पांच नगर निकायों के 155 वार्डों के परिणामों में कांग्रेस ने 74 वार्ड जीतकर भाजपा पर चार सीटों की बढ़त बनाई है। भाजपा को 70 वार्डों में जीत मिली, जबकि 11 वार्डों में निर्दलीयों ने बाजी मारकर दोनों प्रमुख दलों के सामने अपनी ताकत का अहसास कराया है।

कुल आंकड़ों में भले ही कांग्रेस चार कदम आगे निकल गई हो, लेकिन निकायवार नतीजे तस्वीर को और दिलचस्प बना देते हैं। राजसमंद और आमेट में भाजपा का दबदबा, भीम और देवगढ़ में कांग्रेस की मजबूत पकड़ और नाथद्वारा में कांटे की टक्कर ने जिले की राजनीति को एक ही रंग में रंगने के बजाय पांच अलग-अलग तस्वीरों में बांट दिया है। सबसे खास बात यह है कि जिले के कुल 155 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के बीच अंतर महज चार सीटों का है। यानी दोनों दलों के बीच मुकाबला बेहद करीबी रहा। ऐसे में 11 निर्दलीय पार्षद आने वाले सियासी समीकरणों में खास भूमिका निभा सकते हैं। खासकर उन निकायों में, जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच बहुमत का अंतर कम है, निर्दलीय पार्षद बोर्ड गठन में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। जिले की सबसे बड़ी नगर परिषद राजसमंद के 45 वार्डों में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 वार्डों पर कब्जा जमाया। कांग्रेस को 14 वार्ड मिले, जबकि चार वार्डों में निर्दलीय विजयी रहे। राजसमंद के नतीजों को भाजपा के लिए बड़ी राजनीतिक उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। यहां विधायक दीप्ति माहेश्वरी और भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल की रणनीति के बल पर पार्टी ने पिछली बार के मुकाबले अपनी स्थिति मजबूत की।

पिछले कार्यकाल में सभापति की कुर्सी कांग्रेस के पास थी, लेकिन इस बार भाजपा ने उस पर कब्जा जमा लिया। यानी सिर्फ पार्षदों की संख्या ही नहीं बढ़ी, बल्कि निकाय की सत्ता भी कांग्रेस से भाजपा के हाथ में चली गई।

निर्दलीय प्रत्याशियों के हाथ में सभापति की चाबी, बसपा का हाथी भी सक्रिय

एजेंसी, थिंक राजस्थान

धौलपुर। नगर परिषद धौलपुर के नतीजों ने भाजपा-कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया। परिषद के वार्ड 60 में से कांग्ेरस ने 27 वार्डों में जीत हासिल की। जबकि सत्ताधारी दल को मात्र 11 वार्ड में ही सफलता हाथ लगी। जबकि निर्दलियों ने 19 और बसपा ने 3 वार्डों में जीत की पताका लहराते हुए सभापति सीट पर दावेदारी ठोक रहे पार्टियों के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। दोनों ही दल अब निर्दलियों की खोज में जुट गए हैं।

हालांकि, अधिकतर जिताऊ निर्दलीय पहले ही बाड़ेबंदी में आराम फरमा रहे हैं लेकिन जो कुछ इधर-उधर आजाद घूम रहे हैं, उन पर दोनों पार्टियों की नजरें हैं। वहीं, एक तीसरी शक्ति भी इन आजाद पंक्षियों की खोज में जुटी है और मतगणना केन्द्र के बाहर कुछ कुछ झलक भी दिखी। हालांकि, उक्त सवाल पर दागा गया तो वह तीसरा शक्ति केन्द्र बिना प्रतिक्रिया दिए ही निकल गए।

'बड़ी बेटी पर करता था शक' जयपुर हत्याकांड में पूछताछ में आरोपी ने किए चौंकाने वाले खुलासे

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। करधनी इलाके के गोविंद वाटिका में पत्नी और तीन बेटियों की हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी राहुल झा से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, राहुल ने शुरुआत में सिर्फ अपनी बड़ी बेटी की हत्या करने की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में उसने पत्नी और दो अन्य बेटियों को भी मारने का फैसला कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि राहुल अपनी बड़ी बेटी को लेकर लगातार शक करता था। वह उसकी नौकरी और रिश्तों को लेकर सवाल उठाता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी को लगता था कि बेटी उससे अपनी नौकरी और संबंधों को लेकर झूठ बोलती है। डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण के अनुसार, 11 सितंबर की सुबह करीब 5.30 बजे राहुल ने अपनी बड़ी बेटी को बर्तन साफ करते देखा। उससे पूछा तो बोली कि रात को लेट हो गई थी। इसलिए अभी बर्तन साफ कर रही है। इसके बाद बड़ी बेटी सो गई थी। पुलिस के अनुसार, राहुल ने परिवार के सदस्यों पर उस समय सीमेंट के ब्लॉक से हमला किया, जब वे सो रहे थे। हत्या की वारदात सुबह करीब 7 बजे से 7.20 बजे के बीच हुई। जांचकर्ताओं के मुताबिक, उसने पहले पत्नी और सबसे छोटी बेटी पर हमला किया और इसके बाद अन्य दो बेटियों को भी निशाना बनाया। वारदात को अंजाम देने के बाद राहुल करीब 8.15 बजे घर से निकल गया। पुलिस के अनुसार, घर छोड़ने से पहले उसने अपने बीमार पिता को चाय पिलाई थी। इसके बाद वह फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों की मदद से उसकी तलाश शुरू की। रविवार को उसे सीकर जिले के रींगस कस्बे से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद राहुल को सोमवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब पूछताछ के साथ-साथ घटनास्थल से मिले फोरेंसिक साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और वारदात की पूरी टाइमलाइन से उसके बयानों का मिलान कर रही है। जांच अधिकारी यह भी पता लगाने में जुटे हैं कि राहुल ने पूछताछ में जो वजहें बताई हैं, वे वास्तव में हत्या की वजह थीं या इसके पीछे कोई अन्य कारण भी था। जांच टीम ने घटनास्थल से जुटाए गए फोरेंसिक साक्ष्यों को भी जांच का हिस्सा बनाया है।

भरतपुर में घूसखोर अभियंता निकला मालामाल, घर की तलाशी में ₹43 लाख नकद और 20 किलो चांदी मिली

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। भरतपुर में तीस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार पंचायत समिति भुसावर के सहायक अभियंता गोविन्द प्रसाद के घर की तलाशी में एसीबी को भारी नकदी और चांदी का भंडार मिला है। आरोपी अभियंता के घर से 43 लाख 38 हजार 500 रुपए नकद और करीब 20 किलो चांदी की सिल्लियां बरामद हुई हैं। इसके अलावा हिंडौन में दो दुकानों, जयपुर के मानसरोवर में हाउसिंग बोर्ड के मकान और अन्य भू-संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं। नकदी में 500-500 रुपए की 86 गड्डियां और 500 रुपए के 77 नोट अलग से मिले। एसीबी अब बरामद नकदी, चांदी और संपत्तियों के दस्तावेजों के स्रोत व स्वामित्व की जांच कर रही है। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भरतपुर इकाई ने 14 सितंबर को गोविन्द प्रसाद को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। ट्रैप कार्रवाई के बाद आरोपी के आवास की तलाशी डीआईजी एसीबी रेंज भरतपुर ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन में एएसपी अमित सिंह के नेतृत्व में ली गई। इस टीम का नेतृत्व पुलिस निरीक्षक महेंद्र सिंह ने किया।

जोधपुर के वार्ड 50 के बूथ 338 पर 16 सितम्बर को दोबारा होगी वोटिंग, गुरुवार को आएगा रिजल्ट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। जोधपुर नगर निगम के वार्ड संख्या 50 के बूथ संख्या 338 पर बुधवार को पुनर्मतदान होगा। गुरुवार को प्रातः 8 बजे से मतगणना शुरू होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) जोधपुर आलोक रंजन ने बताया कि उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट, जोधपुर उत्तर संजय गोयल को 15 एवं 16 सितंबर को मतदान केन्द्र क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया हैं। रिटर्निंग अधिकारी, नगर निगम जोधपुर रामकिशोर मीना ने बताया कि बूथ संख्या 338 पर बुधवार सुबह 7 से सायं 6 बजे तक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय (सेक्टर-7), कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड (दायां भाग) में पुनर्मतदान होगा। गौरतलब है कि निगम चुनाव की सोमवार को हुई मतगणना में वार्ड संख्या 50 के बूथ नंबर 338 की ईवीएम में तकनीकी खराबी आ गई थी। इस कारण वार्ड का परिणाम जारी नहीं हो सका था। जोधपुर नगर निगम के 100 वार्डों के रिजल्ट में 99 के नतीजे आ गए हैं। कांग्रेस ने 44 वार्डों और भाजपा ने भी 44 वार्डों में जीत दर्ज की है। इस चुनाव में निर्दलीयों ने भी जबरदस्त टक्कर दी और 11 सीटों पर जीत हासिल कर ली। वहीं जोधपुर के अतिरिक्त राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर, कोटा एवं सुकेत में मतदान केंद्रों पर हुई मतगणना के दौरान कुछ बूथों की ईवीएम में तकनीकी खराबी पाए जाने के कारण पुनर्मतदान कराने के निर्देश दिए हैं। आयोग के अनुसार, नगर निगम जयपुर के वार्ड संख्या 09 के बूथ संख्या 111, वार्ड संख्या 18 के बूथ संख्या 235, वार्ड संख्या 25 के बूथ संख्या 343, वार्ड संख्या 34 के बूथ संख्या 477 एवं 484, नगर निगम कोटा के वार्ड संख्या 87 के बूथ संख्या 99, वार्ड संख्या 44 के बूथ संख्या 448, वार्ड संख्या 11 के बूथ संख्या 576 तथा नगरपालिका सुकेत के वार्ड संख्या 04 के बूथ संख्या 05 पर पुनर्मतदान कराया जाएगा।

हार के बाद BJP प्रत्याशी की पोस्ट से सामने आई अंदरुनी कलह

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अलवर। नगर निगम चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा में अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आती दिख रही है। चुनाव में हार का सामना करने वाली भाजपा प्रत्याशी सुमन चौधरी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर पार्टी के ही कुछ नेताओं पर उन्हें चुनाव हराने के लिए मेहनत करने का आरोप लगाया है। सुमन के पति सीताराम चौधरी भी अपने वार्ड से चुनाव हार गए हैं। दोनों की हार के बाद सामने आई पोस्ट ने स्थानीय राजनीति में चर्चाओं को हवा दे दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अलवर नगर निगम चुनाव में भाजपा की ओर से सुमन चौधरी वार्ड 23 से चुनावी मैदान में उतरी थी। वहीं उनके पति सीताराम चौधरी भी वार्ड 28 से खड़े हुए थे लेकिन दोनों ही चुनाव नहीं जीत सके। चुनाव परिणाम के बाद सुमन चौधरी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली। बता दें कि वार्ड 23 से कांग्रेस प्रत्याशी रवि और वार्ड 28 से कांग्रेस के रितेश ने जीत दर्ज की।

बालोतरा में नगर परिषद का बड़ा एक्शनः बिना लाइसेंस चल रही 15 मीट दुकानें सीज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बालोतरा। नगर परिषद बालोतरा ने नगरीय क्षेत्र में बिना सक्षम स्वीकृति एवं अनुज्ञा के संचालित मांसाहार की दुकानों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 15 प्रतिष्ठानों को सीज किया। नगर परिषद की टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की। नगर परिषद आयुक्त आशुतोष आचार्य ने बताया कि संबंधित दुकानदारों को पूर्व में आवश्यक स्वीकृति, लाइसेंस एवं निर्धारित मापदंडों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। दुकानदारों को नियमों के अनुरूप आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने तथा निर्धारित शर्तों और स्वच्छता मानकों की पालना के लिए निर्देशित किया गया था। इसके बावजूद नियमों की पालना नहीं करने पर नगर परिषद की टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए 15 प्रतिष्ठानों को सीज कर दिया। आयुक्त आचार्य ने बताया कि नगरीय क्षेत्र में बिना वैध अनुमति अथवा लाइसेंस के मांसाहार का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नगर परिषद का अभियान निरंतर जारी रहेगा। परिषद की ओर से ऐसे प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जाएगा, जहां बिना आवश्यक स्वीकृति के मांसाहार का विक्रय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर मांस अथवा अपशिष्ट प्रदर्शित करने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने तथा निर्धारित स्वच्छता मानकों की अवहेलना करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद की टीम निरीक्षण के दौरान नियमों और निर्धारित मानकों की पालना की जांच करेगी। नगर परिषद आयुक्त ने स्पष्ट किया कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी प्रतिष्ठान में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठान को सीज करने के साथ अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जा सकती है। नगर परिषद की इस कार्रवाई के बाद बिना आवश्यक स्वीकृति एवं लाइसेंस के मांसाहार का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि नियमों की पालना सुनिश्चित कराने के लिए निरीक्षण एवं कार्रवाई का अभियान आगे भी जारी रहेगा। नगर परिषद की कार्रवाई के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालकों के बीच आवश्यक दस्तावेज और अनुमतियां पूरी करने को लेकर गतिविधियां बढ़ गई हैं। परिषद की ओर से स्पष्ट किया गया है कि किसी भी प्रतिष्ठान को निर्धारित नियमों और शर्तों की पालना के बाद ही संचालन की अनुमति होगी। निरीक्षण अभियान के दौरान दुकानों में लाइसेंस, स्वीकृति, साफ-सफाई, अपशिष्ट के निस्तारण और सार्वजनिक स्थानों से संबंधित नियमों की जांच की जा रही है। परिषद का कहना है कि कार्रवाई का उद्देश्य नगरीय क्षेत्र में निर्धारित व्यवस्थाओं और स्वच्छता मानकों की पालना सुनिश्चित करना है।

राजस्थान निकाय चुनाव परिणाम पर महिपाल सिंह मकराना का बड़ा बयान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के नगर निकाय चुनावों में 2245 निर्दलीय पार्षदों की जीत को सवर्ण समाज और मूल ओबीसी की जातियों में व्याप्त असंतोष का संकेत बताया है। श्री राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में निर्दलीयों की जीत जनता के बदलते माहौल को दर्शाती है। मकराना ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने गृह क्षेत्र को नहीं बचा पाए, पूर्व मुख्यमंत्री अपने गृह क्षेत्र को नहीं बचा पाए। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी अपने गृह क्षेत्र में राजनीतिक पकड़ नहीं बचा पाए। सादुलशहर में 25 में से 22, पिलानी में 35 में से 30 और भरतपुर नगर परिषद में 65 में से 36 सीटों पर निर्दलीय जीते। मकराना में 36 निर्दलीय, 18 कांग्रेस और 6 भाजपा प्रत्याशी विजयी रहे। जयपुर नगर निगम में भी 14 निर्दलीय प्रत्याशियों की जीत का उन्होंने उल्लेख किया।

ट्रक में भरा था भूसा, लेकिन अंदर का नजारा देख उड़ गए आबकारी टीम के होश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर जिले से होकर गुजरने वाले भारतमाला रोड पर सेजड़ासर सरहद में आबकारी विभाग ने अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। लूणकरणसर आबकारी थाना टीम ने मुखबिर की सूचना पर नाकाबंदी कर एक ट्रक की तलाशी ली। इसमें पशु आहार और लकड़ी के भूसे के कट्टों के नीचे छिपाकर रखी पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब बरामद हुई। टीम ने ट्रक से 732 कार्टन शराब जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 65 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने ट्रक चालक जयराम विश्नोई निवासी जालौर को गिरफ्तार किया है। जिला आबकारी अधिकारी संजीव कुमार पटावरी ने बताया कि विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत लूणकरणसर आबकारी थाना टीम को अवैध शराब की खेप आने की सूचना मिली थी। इस पर भारतमाला रोड पर सेजड़ासर सरहद में नाकाबंदी की गई। ट्रक संख्या आरजे-02-जीडब्ल्यू-4815 को रोककर तलाशी ली गई। ट्रक में ऊपर से पशु आहार और लकड़ी का भूसा रखा हुआ था। इनके नीचे शराब के कार्टन छिपाए गए थे। तलाशी में पंजाब निर्मित रॉयल चैलेंज ब्रांड के 227 कार्टन, पव्वों के 380 कार्टन और ऑल सीजन ब्रांड के 125 कार्टन मिले। आबकारी टीम ने कुल 732 कार्टन जब्त किए। मामले में आरोपी चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कार्रवाई अतिरिक्त आबकारी आयुक्त बीकानेर जोन मनीषा लेघा, उपायुक्त ईपीएफ पोमाराम रोहिण और जिला आबकारी अधिकारी संजीव कुमार पटावरी के पर्यवेक्षण में हुई। सहायक आबकारी अधिकारी प्रताप सिंह डूडी के नेतृत्व में लूणकरणसर आबकारी थाना टीम ने कार्रवाई की। डीईओ पाली मनोज बिस्सा और सिपाही मनोज से मिली सूचना भी कार्रवाई में अहम रही। आबकारी विभाग के विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत 14 सितंबर को प्रदेशभर में 87 अभियोग दर्ज किए गए। इस दौरान 340 लीटर देशी मदिरा, 72 लीटर भारत निर्मित विदेशी मदिरा, 116 लीटर बीयर और 498 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई। साथ ही 19,220 लीटर वॉश नष्ट किया गया और 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर, सूरतगढ़, अनूपगढ़, झालावाड़, जोधपुर, सिरोही, बांसवाड़ा और बूंदी समेत कई जिलों में दबिश, नाकाबंदी और गश्त की कार्रवाई की गई। बांसवाड़ा में 3,100 लीटर उत्तेजित वॉश और दो भट्टियां, जबकि झालावाड़ में 2,200 लीटर वॉश नष्ट किया गया। विभाग ने प्रदेशभर में अवैध शराब के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही है। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई के बाद अब जांच का दायरा शराब की खेप के स्रोत और संभावित गंतव्य तक बढ़ाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार ट्रक में शराब को छिपाने के लिए इस्तेमाल किए गए सामान और परिवहन से जुड़े तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

मोहन भागवत और राष्ट्रसंत पुलक सागर के बीच सनातन रक्षा, गोसेवा और डेमोग्राफी पर चर्चा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। सूर्यमहल में सोमवार का दिन अहम आध्यात्मिक और राष्ट्रीय संवाद का गवाह बना। यहां चातुर्मास कर रहे आचार्य पुलक सागर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने भेंट की। करीब 40 मिनट तक बंद कमरे में हुए संवाद में राजनीति से दूर, विशुद्ध रूप से राष्ट्र निर्माण, जनसंख्या संतुलन और सनातन संस्कृति की रक्षा जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की गई। आचार्य पुलक सागर ने गो-संरक्षण की दिशा में अभिनव विचार साझा किया। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि देश की बड़ी जेलों के भीतर गोशालाएं स्थापित होनी चाहिए। इससे सजा काट रहे कैदियों को गोवंश की सेवा का मौका मिलेगा और उनके भीतर करुणा व मानवीय संवेदनाएं जागृत होंगी। डॉ. भागवत ने इस विजन की प्रशंसा की और सरकार के स्तर पर इस अनूठे सुझाव पर विचार करवाने का आश्वासन दिया। देश के बदलते जनसांख्यिकीय स्वरूप (डेमोग्राफी) पर राष्ट्रसंत ने मुखर होते हुए सनातनियों को आगाह किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपना अस्तित्व बचाने के लिए समाज को दो से तीन बच्चे पैदा करने पर गंभीरता से सोचना होगा, अन्यथा बहुसंख्यक समाज अपने ही देश में अल्पसंख्यक हो जाएगा। डॉ. भागवत ने पुलक सागर का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद लिया। संघ प्रमुख ने आचार्य के साथ अपनी अमेरिका और ब्रिटेन यात्रा के संस्मरण भी साझा किए। डॉ. भागवत के हाथों इंदौर की सरोज शाह द्वारा लिखित पुस्तक 'एक और मुक्तिदूत' का विमोचन किया गया, जो संत पुलक सागर के जीवन पर आधारित है। इस दौरान आरएसएस के पदाधिकारी अरुण जैन, निम्बाराम, मुरलीधर एवं पुलक सागर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी मौजूद रहे। सूर्यमहल पहुंचने पर डॉ. भागवत का चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, तिलोकचंद छाबड़ा, मनीष शाह, लोकेश अजमेरा, जयकुमार पाटनी, सुभाष जैन, अतुल पाटनी, अनिल जैन, लोकेन्द्र कुमार जैन, कांतिलाल जैन और अतुल कुमार जैन ने स्वागत किया।

कभी चरवाहे तो कभी मजदूर बनकर ANTF ने की रेकी, तब 17 साल से फरार इनामी चरस तस्कर अनंतनाग से पकड़ा गया

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने 17 साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी चरस तस्कर हाजी उर्फ शबीर अहमद खान को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग से गिरफ्तार किया है। आरोपी कश्मीर से गुजरात और राजस्थान तक चरस की सप्लाई करने वाले नेटवर्क से जुड़ा था। एएनटीएफ ने 'ऑपरेशन विषधरासीम' के तहत अनंतनाग में कार्रवाई को अंजाम दिया। आरोपी राजस्थान के सिरोही जिले में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित था। एएनटीएफ आईजी विकास कुमार के अनुसार वर्ष 2009 में दिल्ली से अहमदाबाद जा रही ट्रेन में चरस की बड़ी खेप पकड़ी गई थी। जांच आगे बढ़ी तो तस्करी के तार जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग से जुड़े मिले। इसी जांच में शबीर अहमद खान का नाम सामने आया। पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही वह फरार हो गया। इसके बाद 17 साल तक लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता रहा। पुलिस के मुताबिक, शबीर अहमद खान के खिलाफ राजस्थान के सिरोही जिले के जीआरपी आबू रोड थाने में एफआईआर नंबर 09/2009 दर्ज है। यह मामला नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांसेज एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि शबीर के पिता सिविल ठेकेदार थे। कम उम्र में ही आरोपी चरस के कारोबार से जुड़ गया था। बाद में उसने मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर काम किया। इसी दौरान चरस के ग्राहकों से उसके संपर्क बढ़ते गए। इसके बाद उसने इलेक्ट्रिशियन कॉन्ट्रैक्टर का ए-क्लास कार्ड बनवाया और इसी पहचान के जरिए राजस्थान समेत दूसरे राज्यों में अपने संपर्क और नेटवर्क को मजबूत किया। 17 साल पुराने आरोपी तक पहुंचना एएनटीएफ के लिए आसान नहीं था। टीम ने अनंतनाग पहुंचकर लगातार तीन दिन इलाके की रेकी की। पुलिसकर्मी कभी बाइक राइडर तो कभी चरवाहे और मजदूर बनकर इलाके में घूमते रहे। स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने के दौरान पता चला कि शबीर ग्रे रंग की मारुति-800 कार से आवाजाही करता है। इसके बाद टीम ने कार पर नजर रखनी शुरू की। कार के मूवमेंट का पीछा करते हुए पुलिस आरोपी के घर तक पहुंच गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस के सहयोग से उसके ठिकाने पर दबिश दी गई और शबीर को गिरफ्तार कर लिया।

राजस्थान/ प्रादेशिक

राजस्थान के निर्वाचन आयुक्त IAS राजेश्वर सिंह की 'फेक प्रोफाइल' से हड़कंप, क्या चुनावी माहौल बिगाड़ने की थी मंशा?

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में एक तरफ जहां 309 नगरीय निकायों और आगामी पंचायती राज चुनावों को लेकर सरगर्मियां बेहद तेज हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। राज्य निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह (IAS) के नाम और फोटो का गलत इस्तेमाल करके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक फर्जी प्रोफ़ाइल बना दी गई है।

किसी शरारती तत्व द्वारा चुनावी माहौल के बीच आम जनता और मतदाताओं को भ्रमित करने की मंशा से यह फर्जी पेज तैयार किया गया है। मामला सामने आते ही राज्य निर्वाचन आयोग में हड़कंप मच गया। आयुक्त राजेश्वर सिंह ने तुरंत संज्ञान लेते हुए फेसबुक प्रबंधन को पत्र लिखकर इस फेक आईडी को हटाने के निर्देश दिए हैं और अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से अलर्ट जारी कर लोगों से इस फर्जी अकाउंट से सावधान रहने की अपील की है। सोशल मीडिया पर प्रशासनिक अधिकारियों की फर्जी आईडी बनाकर लोगों को ठगने या भ्रामक सूचनाएं फैलाने का यह कोई पहला मामला नहीं है।

निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने अपनी असली प्रोफ़ाइल पर जानकारी साझा करते हुए लिखा, "किसी शरारती व्यक्ति ने 'राजेश्वर सिंह आईएएस' के नाम से मेरी फेक प्रोफाइल बनाई है।

मैंने इसे रिपोर्ट कर दिया है, कृपया आप सभी इससे सावधान रहें।" चुनावी मौसम में जब हर छोटे-बड़े अपडेट पर जनता की नजरें टिकी होती हैं, ऐसे समय में चुनाव आयोग के प्रमुख की फर्जी प्रोफाइल बनने से साइबर सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

पुलिस की साइबर सेल टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जिस आईपी एड्रेस से यह फर्जी आईडी बनाई गई है, उसकी लोकेशन ट्रैक की जा रही है। जब तक साइबर सेल या फेसबुक द्वारा उस फर्जी अकाउंट को पूरी तरह से हटा या बैन नहीं कर दिया जाता, तब तक लोगों को ठगी या भ्रम से बचाने के लिए अलर्ट पोस्ट जारी करना बेहद जरूरी है।

अपनी असली प्रोफ़ाइल, व्हाट्सएप स्टेटस या इंस्टाग्राम हैंडल पर तुरंत एक संदेश साझा करें। उसमें स्पष्ट लिखें, "कोई व्यक्ति मेरे नाम और फोटो का गलत इस्तेमाल करके फेक फेसबुक आईडी चला रहा है।

किसके सिर सजेगा 23वें पालिकाध्यक्ष का सेहरा, कयासों का दौर हुआ तेज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

पोकरण। विश्व के मानचित्र पर अपनी जगह बना चुके परमाणु नगरी पोकरण में नगरपालिका अध्यक्ष चुनाव को लेकर घमासान बढ़ता जा रहा है। पूर्व में पार्षद पदों के लिए 74 प्रत्याशियों की संख्या हो जाने से चुनाव रोचक हो चुका था और अध्यक्ष पद महिला के लिए आरक्षित होने से कई दिग्गजों के परिवारजन चुनाव मैदान में थे। मतगणना के बाद तस्वीर साफ होने का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन अध्यक्ष के सेहरे की गुत्थी और अधिक उलझ चुकी है। हालांकि कांग्रेस बड़े दल के रूप में उभरी है, लेकिन बहुमत से एक सीट दूर है। जबकि भाजपा दो सीटों से दूर है। यही नहीं मतगणना के बाद दिग्गज चुनावी दौड़ से बाहर भी हो चुके है। अब अध्यक्ष के लिए कई नामों पर चर्चा हो रही है, लेकिन तस्वीर साफ होती नजर नहीं आ रही है। पोकरण नगरपालिका चुनाव के लिए किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिल सका है। सोमवार को हुई मतगणना के बाद पोकरण के कुल 25 वार्डों में कांग्रेस को 12, भाजपा को 11 सीटें मिली और निर्दलीयों ने 2 सीटों पर कब्जा जमाया।

पांडुपोल हनुमानजी का आज मेला, अलवर में घर-घर जल रही बाबा की ज्योत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अलवर। अलवर में मंगलवार को पांडूपोल हनुमानजी के मेले को लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह नजर आ रहा है। शहर के अलग-अलग हनुमान मंदिरों में दिनभर धार्मिक कार्यक्रम चल रहे हैं। कई मंदिरों में आकर्षक झांकियां सजाई गई हैं। मंदिरों में भंडारे और प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पांडूपोल हनुमानजी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। साथ ही कई मंदिरों में सेल्फी पॉइंट्स भी बनाए गए हैं। पांडूपोल मेले के अवसर पर मंगलवार को शहर के कई घरों में बाबा की ज्योत प्रज्वलित की जा रही है। श्रद्धालु घरों में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। वहीं मंदिरों में हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के पाठ के साथ भजन-कीर्तन चल रहे हैं। कई मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रसाद की व्यवस्था की गई है। शाम को केसर खीर, छोले-चावल और आइसक्रीम का प्रसाद वितरित किया जाएगा। रात 8 बजे सुंदरकांड का पाठ होगा।

अलवर के गोलाकाबास में दो ज्वैलर्स की दुकानों के शटर टूटे

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अलवर। अलवर के गोलाकाबास कस्बे में सोमवार रात अज्ञात चोरों ने अलग-अलग जगह स्थित दो ज्वेलर्स की दुकानों के शटर तोड़ दिए। चोरों ने शटर को नीचे की तरफ से तोड़कर ऊपर की ओर उठा दिया। मंगलवार सुबह दुकानदारों को घटना की जानकारी मिली तो मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दुकान मालिक महेश चंद सोनी और संदीप प्रजापत ने बताया कि अज्ञात चोरों ने रात के समय उनकी दुकानों के शटर को बगल में बनी नालियों की तरफ से नीचे से तोड़कर ऊंचा कर दिया। इसके बाद चोर दुकान के अंदर दाखिल हुए। सुबह दुकानों के शटर टूटे मिले तो घटना का पता चला। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर लक्ष्मण सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों ज्वेलर्स की दुकानों का मौका मुआयना किया। पुलिस ने दुकानों के टूटे हुए शटर और आसपास के स्थानों को देखा। इस दौरान आसपास रहने वाले लोगों से भी रात की घटना के बारे में जानकारी ली गई। पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी जानकारी जुटाई है। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ चोरों के बारे में सुराग जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

कहीं BJP का दबदबा तो कहीं निर्दलीयों का दम, देखें बड़े नतीजे

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के नगर निकाय चुनाव के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी बढ़त बनाती नजर आ रही है। प्रदेश की 47 नगर परिषदों और 252 नगर पालिकाओं में हुए चुनाव के परिणामों में कई जगह भाजपा ने मजबूत प्रदर्शन किया है। अब तक सामने आए आंकड़ों के मुताबिक 20 नगर परिषदों में भाजपा, 17 में कांग्रेस और 10 में निर्दलीय उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। बाड़मेर नगर परिषद में भाजपा ने करीब 15 साल बाद बहुमत हासिल किया है। यहां पार्टी के प्रत्याशियों ने 55 में से 29 वार्डों में जीत दर्ज की है। इस जीत को स्थानीय स्तर पर भाजपा के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। वहीं जयपुर की वाटिका नगर पालिका में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। 25 वार्डों वाली इस नगर पालिका में भाजपा ने 10 और कांग्रेस ने 6 वार्डों में जीत हासिल की है। खास बात यह रही कि प्रवीण के मामा और पूर्व सभापति मांगीलाल भाटी ने भाजपा प्रत्याशी का समर्थन किया था।

विशाल ध्वजा और कपड़े के घोड़े लेकर पहुंच रहे श्रद्धालु, पोकरण रोड पर पदयात्रियों का तांता

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जैसलमेर। लोकदेवता बाबा रामदेव के दर्शन के लिए रामदेवरा में श्रद्धालुओं का पहुंचना लगातार जारी है। भादवा मेले के बीच सोमवार को पोकरण-रामदेवरा मार्ग पर दूर-दूर तक पदयात्रियों की कतारें दिखाई दीं। कई श्रद्धालु हाथों में विशाल ध्वजा लिए बाबा के दरबार की ओर बढ़ रहे थे, तो कई आस्था के प्रतीक कपड़े से बने बड़े-बड़े घोड़े लेकर पदयात्रा करते दिखे। पदयात्रियों के जत्थे बाबा के जयकारे लगाते हुए रामदेवरा की ओर बढ़ रहे हैं। भीषण गर्मी और उमस के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं है। रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालु कुछ देर विश्राम कर अपनी मंजिल की ओर रवाना होते दिखाई दे रहे हैं। कई पदयात्रियों के साथ परिवार और ग्रामीणों के जत्थे भी शामिल हैं। बाबा रामदेव में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं में ध्वजा चढ़ाने और घोड़ा अर्पित करने की विशेष परंपरा है। इसी आस्था के चलते कई श्रद्धालु अपने गांव से पैदल यात्रा शुरू कर विशाल ध्वजा और कपड़े से बने आकर्षक घोड़े साथ लेकर रामदेवरा पहुंच रहे हैं। पोकरण रोड पर ऐसे कई जत्थे मेले की धार्मिक छटा को आकर्षक बना रहे हैं। पोकरण से रामदेवरा की ओर बढ़ते पदयात्रियों के जयकारों से मार्ग भक्तिमय नजर आ रहा है। 'बाबा रामदेव की जय' के जयघोष के बीच श्रद्धालु लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भादवा मेले के चलते रामदेवरा में देशभर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई है।

राजस्थान में 16-17 सितंबर को हल्की-मध्यम बारिश की संभावना, 30-40 KMPH की गति से चलेगी तेज हवाएं

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून अब विदाई की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग की ओर से सोमवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार सितंबर के आस-पास पश्चिमी राजस्थान से मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां बन रही है। जबकि मानसून के लौटने की प्रक्रिया शुरू होने की सामान्य तिथि 17 सितंबर है। लेकिन इस बार मानसून ट्रफ के सक्रिय रहने एवं पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव के चलते मानसून की विदाई में विलंब हुआ है। आइएमडी के अनुसार मानसून के लौटने से पहले राजस्थान-मध्यप्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार 16-17 सितंबर को उत्तर-पश्चिमी भारत के ऊपर पश्चिमी विक्षोभ व मानसून के संयुक्त प्रभाव से बीकानेर संभाग के गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू जिलों व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में मेघगर्जन व हल्की-मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है। इसके साथ ही 30-40 KMPH की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान जताया गया है। वहीं पूर्वी राजस्थान के जयपुर, उदयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर संभाग कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश की गतिविधियां आगामी 3-4 दिन जारी रहने की प्रबल संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों से 19 सितंबर से बारिश की गतिविधियों में कमी होने तथा मानसून विदाई के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार कम दबाव का क्षेत्र आज दक्षिण पश्चिम राजस्थान व आस-पास के कच्छ क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है। मौसम विभाग के नए अपडेट के अनुसार आज 15 सितंबर को उदयपुर, अजमेर, कोटा, जयपुर, जोधपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में उदयपुर, कोटा, जोधपुर, अजमेर संभाग में हल्की मध्यम बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक बारिश कोटड़ा, उदयपुर में 88 M.M. दर्ज किया गया है। इस साल पश्चिमी राजस्थान में मानसून कमजोर रहा है। इस एरिया के अधिकतर जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। बारिश कम होने से इन जिलों में सितंबर का दूसरा सप्ताह बीतने के बाद भी तापमान 40 डिग्री के करीब है।

हार से बौखलाई BAP ने बांसवाड़ा जिला कार्यकारिणी की भंग, 31 पदाधिकारी हटाए

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा जिले की तीन नगर निकायों के चुनाव में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) को एक भी सीट नहीं मिलने के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल रोत ने तत्काल प्रभाव से कार्यकारिणी को भंग करते हुए जिले के सभी 31 पदाधिकारियों को हटा दिया है। साथ ही डूंगरपुर जिलाध्यक्ष को भी पदमुक्त कर दिया है।

हालांकि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अनुसार कार्यकारिणियों का तीन साल का कार्यकाल पूरा होने पर यह कदम उठाने की बात की जा रही है। हाल ही हुए निकाय चुनावों में बीएपी ने बांसवाड़ा नगरपरिषद के 60 वार्डों में 20 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे थे। इसके अलावा कुशलगढ़ में सात प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारे थे। इनमें से कोई भी प्रत्याशी चुनाव नहीं जीत पाया।

घरों व मंदिरों में विघ्नहर्ता का मंगल आगमन, निकाली गणपति की शोभायात्रा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बूंदी। देवा ओ देवा गणपति देवा तुमसे बढकर कौन गजानन आयो रिद्धी सिद्धि लायो जैसे भक्तिमय भजनों की गूंज और ढोल की थाप पर थिरकते युवाओं के साथ चारों ओर गूंजते बप्पा के जयकारों से सोमवार को छोटीकाशी भक्तिमय हो उठी। हर कोई विघ्नहर्ता के स्वागत में उत्साह से भरा था। जिलेभर में घर-घर,मंदिरों के साथ-साथ खुले पंडालों और गली-मोहल्लों में बप्पा के आगमन पर विशेष तैयारियां की गईं और पलक-पांवड़े बिछाए गए। विघ्नहर्ता का मंगल आगमन के साथ खुशी दोगुनी हो गई। शाम को भूरा गणेश महोत्सव समिति ने शहर में गजानन की शोभायात्रा निकाली। पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा मंशापूर्ण गणेश मंदिर से विधिवत शुरू हुई। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी,जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा एक खंभे की छतरी स्थित भूरा गणेश मंदिर पहुंची। जहां लोकसभा अध्यक्ष के ओएसडी राजीव दत्ता सहित समिति के सदस्यों द्वारा गणेशजी की महाआरती उतारी गई। शोभायात्रा में झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन्हें देखने के लिए सडक़ किनारे भारी भीड़ उमड़ी। इसी के साथ 10 दिनों तक विशेष आयोजन होंगे। शोभायात्रा में पंजाबी ढोल की थाप, डीजे की धुन और मनमोहक सुसज्जित झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। महोत्सव समिति प्रवक्ता अभिषेक जैन ने बताया कि शोभायात्रा में अध्यक्ष विजयंत सिंह आमेरा, संरक्षक रोशन भडक़्तिया,राजकुमार दाधीच,राजेश शेरगढिय़ा,बृजेश गौतम अनिल शर्मा आदि मौजूद रहे। शहर सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश चतुर्थी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया।घर-घर में गणपति प्रतिमाओं की विधि विधान से स्थापना की। दिनभर डीजे पर भजन गूंजते रहे। इंद्रगढ़ शहर के बाजारों को विद्युत साज सज्जा से सजाया। वहीं शहर के टीपटा गणेश मंडल, चक्र के बालाजी नवयुवक मंडल, गढ़ गणेश मंडल सहित आधा दर्जन मंडलों ने विधि विधान से गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोती डूंगरी मंदिर में किये दर्शन, भगवान श्री गणेश की भव्य शोभायात्रा का किया शुभारंभ

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के प्रसिद्ध मोती डूंगरी मंदिर में दर्शन किये। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सपत्नीक भगवान श्री गणेश का विधिवत पूजन-अर्चन कर प्रदेश एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भगवान श्री गणेश की भव्य शोभायात्रा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शोभायात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर विधायक कालीचरण सराफ, मंदिर प्रशासन के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के मंदिर पहुंचने के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक आयोजन और पूजा-अर्चना का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश के दर्शन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। शोभायात्रा के शुभारंभ के बाद श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

धार्मिक भजनों और जयकारों के बीच शोभायात्रा आगे बढ़ी। आयोजन को लेकर मंदिर प्रशासन की ओर से व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन और धार्मिक कार्यक्रमों में किसी तरह की परेशानी न हो। शोभायात्रा में विभिन्न स्थानों से आए श्रद्धालु और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। पारंपरिक धार्मिक वातावरण के बीच भगवान श्री गणेश की आराधना की गई। शहर में भी गणेश चतुर्थी को लेकर कई स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंदिर परिसर और शोभायात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। आयोजन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए संबंधित अधिकारियों तथा मंदिर प्रशासन की ओर से निगरानी रखी गई।

मां, बेटा और बहू तीनों बने पार्षद, निर्दलीयों के दबदबे से BJP-कांग्रेस के उड़े होश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

खेतड़ी (झुंझुनूं)। खेतड़ी नगर पालिका के 25 वार्डों के चुनाव परिणाम सोमवार को घोषित हुए। मतगणना के बाद सामने आए नतीजों में निर्दलीय प्रत्याशियों का दबदबा देखने को मिला। कुल 25 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने 13 वार्डों में जीत दर्ज की। वहीं भाजपा के खाते में 8 और कांग्रेस को 4 वार्डों में जीत मिली। नतीजों के बाद नगर पालिका की राजनीति में निर्दलीयों की भूमिका अहम हो गई है। वार्ड नंबर 5 में कांग्रेस प्रत्याशी गीता देवी ने 178 मतों के अंतर से जीत हासिल की। गीता देवी को कुल 411 मत मिले, जो इस चुनाव में किसी प्रत्याशी की ओर से प्राप्त सर्वाधिक मत रहे। वहीं सबसे करीबी मुकाबला वार्ड नंबर 17 में देखने को मिला। यहां कांग्रेस प्रत्याशी राहुल ने भाजपा के राजेश कुमार को महज 12 मतों के अंतर से हराया। वार्ड नंबर 21 में भी मुकाबला बेहद नजदीकी रहा और जीत-हार का अंतर केवल 14 मतों का रहा। खे इसी तरह वार्ड नंबर 3 से निर्दलीय प्रत्याशी बुलाराम ने जीत दर्ज की, जबकि उनकी पत्नी सुमित्रा ने वार्ड नंबर 24 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीता। तड़ी नगर पालिका चुनाव में एक परिवार के तीन सदस्यों की जीत भी चर्चा का विषय रही। पूर्व पालिका अध्यक्ष उमराव सिंह कुमावत की पत्नी पुष्पा देवी ने वार्ड नंबर 15 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की। उनके पुत्र पारस वर्मा ने वार्ड नंबर 12 और पुत्रवधू किरण बाला ने वार्ड नंबर 13 से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जीत हासिल की। इस तरह एक ही परिवार के मां, बेटा और पुत्रवधू तीनों पार्षद चुने गए। दोनों पति-पत्नी अब नगर पालिका में पार्षद होंगे। इससे पहले बगड़ में एक, मंड्रेला में एक और बिसाऊ में दो प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे।

मनोरंजन समाचार

शादी के बंधन में बंधीं एक्ट्रेस अहाना कृष्णा, बॉयफ्रेंड निमिष रवि संग लिए सात फेरे, शेयर कीं ड्रीमी वेडिंग फोटोज

लोकप्रिय यूट्यूबर और मलयालम एक्ट्रेस अहाना कृष्णा और सिनेमैटोग्राफर निमिष रवि ने अपने रिश्ते को एक नाम नाम दे दिया है। करीब एक दशक तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद अहाना और निमिष ने शादी कर ली है। कपल ने 13 सितंबर को एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी कर की, जिसमें इनके परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। अहाना ने अपनी ड्रीमी वेडिंग की की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर की हैं, जिनमें वह खूबसूरत कांजीवरम साड़ी और पारंपरिक ज्वेलरी में सजी-धजी नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने जैसे ही ये तस्वीरें शेयर कीं, सेलेब्स और फैंस की ओर से बधाइयों का तांता लग गया। आहाना ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की पहली झलक शेयर की है, जिसमें कपल पारंपरिक लुक में अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करते हुए दिख रहा है। अहाना ने ये तस्वीरें शेयर करते हुए अपनी पोस्ट में उनके दस साल के सफर के बारे में भी बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि वह निमिष से पहली बार तब मिली थीं, जब वह 20 साल की थीं और अब 30 साल की उम्र में दोनों पति-पत्नी बन गए हैं। अहाना ने अपने पोस्ट में लिखा- 'तुमसे 20 की उम्र में मिली, 30 में तुमसे शादी की! निमिष रवि मेरे सबसे अच्छे दोस्त, बॉयफ्रेंड, पार्टनर, सोल-मेट, कम्फर्ट पिलो, कप केक और अब पति! तुम्हारे साथ, मेरा दिल हमेशा धीरे, स्थिर और बिल्कुल सही धड़कता है। साथ में बूढ़े होने और एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए जिसे हम अपना कह सकें... जिंदगी भर और उसके बाद भी एक ही टीम बने रहने के लिए! पिछले कुछ महीनों में बहुत सारे लोगों ने मेरे साथ काम किया ताकि मेरा सपना वैसा ही सच हो सके जैसा मैंने सोचा था।' वहीं दूसरी तरफ निमिष ने शादी की तारीख बताई और कन्फर्म किया कि दोनों ने 13 सितंबर को शादी की। उन्होंने शादी की कुछ और तस्वीरें भी पोस्ट कीं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "मेरी सबसे अच्छी दोस्त, अब मेरी पत्नी। 13 सितंबर 2026!" एक्ट्रेस मंजू ने अहाना और निमिष की शादी की तस्वीरों पर कमेंट करते हुए बधाई दी। उन्होंने लिखा, "आप दोनों को बधाई"। मालविका मोहनन ने लिखा, "बधाई हो अहाना!" वहीं एक्ट्रेस के फैंस ने भी इन वेडिंग फोटोज पर कमेंट करते हुए उन्हें शादी की बधाई दी है। एक ने लिखा, "आप दोनों की शादीशुदा जिंदगी खुशहाल हो", एक अन्य लिखता है "आपकी शादीशुदा जिंदगी बहुत अच्छी हो। आप दोनों को बहुत सारा प्यार।' बता दें, अहाना और निमिष की शादी काफी प्राइवेट थी, ठीक वैसे ही जैसे पिछले कुछ सालों से उनका रिश्ता रहा है। यह कपल एक-दूसरे को लगभग एक दशक से जानता है, लेकिन उन्होंने शायद ही कभी फैंस को अपने रिश्ते की झलक दिखाई हो। बता दें, अहाना मनोरंजन जगत का जाना-माना नाम हैं। अहाना कृष्णा 'लोकाह चैप्टर वनः चंद्र', 'नैन्सी रानी', 'पाचुवम अल्भुथाविलाक्कुम', 'आदि', 'मी मायसेल्फ एंड आई', 'पिडिकिट्टापुल्ली', 'डॉट्स', 'लुका', 'गैंग्स ऑफ 18', 'नजंडुकलुडे नाट्टिल ओरिदावेला', 'कारी' और 'जान स्टीव लोपेज' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं।

पति ने किया सेलिना जेटली को बेटों से दूर, तरसीं एक्ट्रेस, जुदाई पर छलका दर्द

बॉलीवुड अभिनेत्री सेलिना जेटली इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। पति पीटर हाग से चल रहा उनका विवाद लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसी बीच अभिनेत्री अपने बेटों से भी दूर हैं। बच्चों से दूरी का दर्द सेलिना की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में साफ नजर आया। सोमवार को उन्होंने अपने बेटों विंस्टन, विराज और आर्थर के नए स्कूल वर्ष की शुरुआत पर उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। सेलिना ने बच्चों के साथ अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें भी पोस्ट कीं और बताया कि इस खास दिन पर वह उनके साथ मौजूद नहीं हैं। कुछ दिनों पहले एक्ट्रेस ने अपने मृत बेटे शमशेर को भी याद किया था। सेलिना ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह यह संदेश इसलिए सार्वजनिक रूप से साझा कर रही हैं, क्योंकि फिलहाल वह सीधे अपने बेटों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। उन्होंने बच्चों के स्कूल के पहले दिन को याद करते हुए कहा कि वह उनके साथ एक सुबह का प्यार भरा गले लगना, एक किस और उनका 'बाय, मम्मी' सुनने के लिए कुछ भी कर सकती हैं। अभिनेत्री ने अपने बच्चों के स्कूल से जुड़े पुराने पलों को भी याद किया। उन्होंने बताया कि कभी वह बच्चों की स्कूल की किताबों पर कवर चढ़ाया करती थीं। दुबई में उन्होंने उनके लिए लेडीबर्ड वाली शुल्टुटेन तैयार की थीं। वहीं ऑस्ट्रिया में स्कूल शुरू होने से पहले उन्होंने बच्चों के लिए प्यार से श्नेके और लाड़ी पाव भी बनाए थे। सेलिना ने लिखा कि यह स्थिति उनके लिए बेहद दर्दनाक है और उनका दिल टूट रहा है।

'रामायण' के 'जय जय राम' के रिलीज होते ही मनोज मुंतशिर ने शेयर किया 'आदिपुरुष' का गाना

रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी ये फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज हो रही है और इस बीच इसकी म्यूजिकल जर्नी भी शुरू हो गई है। गणेश चतुर्थी के मौके पर 'रामायण' के मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना 'जय जय राम' रिलीज किया। श्रेया घोषाल और अरिजीत सिंह की आवाज में रिलीज हुए इस गाने को दर्शकों से बहुत प्यार मिल रहा है। इस बीच 'आदिपुरुष' का गाना शेयर करने को लेकर गीतकार और पटकथा लेखक मनोज मुंतशिर ट्रोल्स से घिर गए हैं। रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण' के पहले सॉन्ग 'जय जय राम' के रिलीज होने के कुछ घंटों बाद ही मनोज मुंतशिर ने 'आदिपुरुष' का गाना शेयर कर दिया और ये देखने के बाद कुछ लोगों ने उन पर आरोप लगाना शुरू कर दिया कि उन्हें 'जय जय राम' को मिल रहे प्यार से जलन हो रही है। 'जय जय राम' गाना रिलीज होने के कुछ घंटों बाद मनोज मुंतशिर ने सोशल मीडिया पर 'आदिपुरुष' के गाने 'राम सिया राम' का एक वीडियो कर दिया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- 'राम-सिया की करुण कहानी एक है चंदन, एक है पानी।' मनोज मुंतशिर ने 'रामायण' को लेकर तो कुछ नहीं कहा, लेकिन लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि उन्होंने ऐसे समय पर ही ये गाना शेयर क्यों किया जब रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण' का पहला गाना 'जय जय राम' रिलीज किया गया है। कई ने उन्हें याद दिलाया कि प्रभास स्टारर 'आदिपुरुष' बुरी तरह फ्लॉप थी तो वहीं कुछ ने गाने की लिरिक्स की तारीफ की। मनोज मुंतशिर के पोस्ट पर कमेंट करते हुए कई ट्रोल्स ने उन्हें निशाने पर ले लिया। एक ने कमेंट करते हुए लिखा- 'इन्हें दूसरों की खुशी बर्दाश्त नहीं होती, वो भी तो राम जी का ही गाना है, तो इसमें क्या दिक्कत है?' एक और यूजर ने कहा, 'लगता है किसी को जलन हो रही है।'

अंबानी गणपति सेलिब्रेशन में अन्नू मलिक की बेटी अदा के अनोखे बाल पर टिकी निगाहें

मुंबई में अंबानी परिवार के घर एंटीलिया में गणेश चतुर्थी का जश्न हर साल की तरह इस बार भी सितारों से सजा नजर आया। बॉलीवुड और मनोरंजन जगत की कई जानी-मानी हस्तियां इस खास मौके पर पहुंचीं। इसी बीच मशहूर संगीतकार और गायक अन्नू मलिक भी अपनी पत्नी अंजली और बेटियों अनमोल व अदा मलिक के साथ अंबानी परिवार के गणपति उत्सव में शामिल हुए। परिवार के साथ पहुंचे अन्नू मलिक ने पारंपरिक अंदाज में बप्पा के दर्शन किए। हालांकि इस दौरान कैमरों की सबसे ज्यादा नजर उनकी छोटी बेटी अदा मलिक पर टिक गई। अदा मलिक के लुक की सबसे खास बात उनके बाल थे।

अंबानी की गणपति पूजा में दिशा पाटनी के डीप नेक ब्लाउज पर विवाद, यूजर्स बोले- 'कृति को ट्रोल किया, अब क्या?'

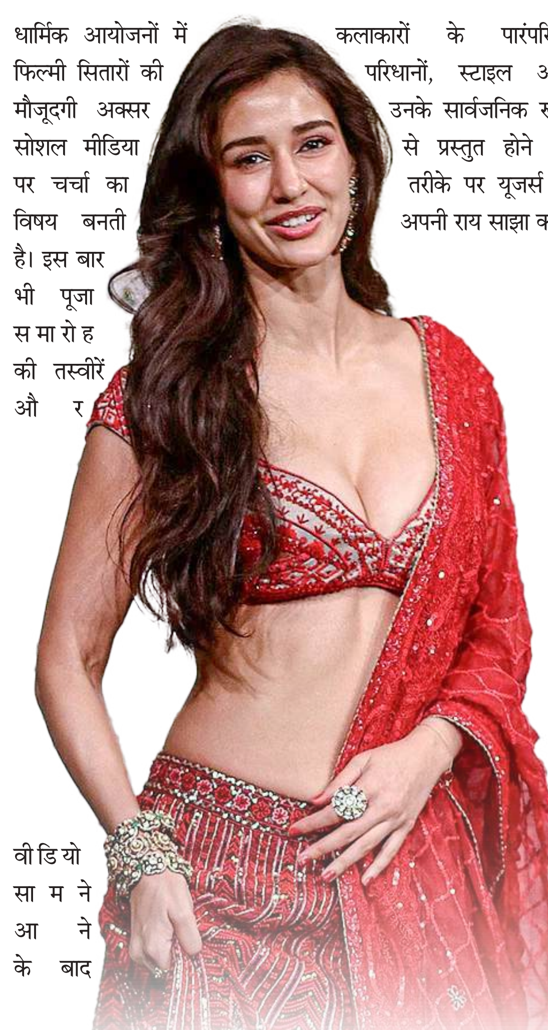

बीते सोमवार, 14 सितंबर को मुंबई में मुकेश अंबानी के एंटीलिया में आयोजित गणेश चतुर्थी कीपूजा में बॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए। इस मौके पर दिशा पाटनी भी पहुंचीं। इसके बाद से ही दिशा के कपड़ों की वजह से उनकी आलोचना हो रही है। बता दें कि एक्ट्रेस ने इस मौके के लिए लाल लहंगा पहना था, लेकिन उनके ब्लाउज की 'छोटी' डीप नेकलाइन ने सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान खींचा। अंबानी परिवार में हुई गणेश पूजा के एक वीडियो में दिशा पाटनी लाल रंग के लहंगा चोली में दिखीं। लहंगे के साथ दिशा ने डीप नेक, ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज पहना था। उनका यह लुक सोशल मीडिया यूजर्स को काफी रिवीलिंग लगा, जिसके बाद उन्हें ट्रोल किया जाने लगा। नेटिजन्स ने सवाल उठाए कि क्या गणपति पूजा के लिए एक्ट्रेस का आउटफिट सही है? वहीं, सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने कहा कि बाकी एक्ट्रेसेस को रिवीलिंग कपड़ों के लिए ट्रोल किया जाता है, तो फिर दिशा के ऑउटफिट पर भी सवाल पूछने चाहिए। इतना ही नहीं यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में पूजा में पहनने लायक कपड़ों और ड्रेसिंग सेन्स पर भी बात की। इन प्रतिक्रियाओं ने कृति सेनन से जुड़े हालिया विवाद की यादें भी ताजा कर दीं, जिन्हें रक्षाबंधन के एक विज्ञापन में पहने गए आउटफिट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों घटनाओं की तुलना की और दोहरे मापदंडों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जहां कृति को उनके आउटफिट के लिए कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। वहीं, दिशा को अब अपने गणपति लुक को लेकर ऐसी ही बहस का सामना करना पड़ रहा है। एक यूजर ने कमेंट किया, "पूजा में ऐसे कपड़े कौन पहनता है भाई", जबकि दूसरे ने लिखा, "अब कोई उन्हें ऐसे मौकों पर यह ड्रेस पहनने के लिए क्रिटिसाइज नहीं कर रहा है, लेकिन रक्षाबंधन पर एक ऐड शूट के दौरान सबने कृति सेनन को क्रिटिसाइज करना शुरू कर दिया था।" एक और कमेंट में लिखा था, "भगवान के सामने ऐसे कपड़े पहनकर जाते हैं" एक यूजर ने यह भी सवाल किया, "अब यह ब्लाउज गणेश सेलिब्रेशन के लिए कैसे सही है, जबकि कृति का रक्षाबंधन के लिए सही नहीं था? दोहरे मापदंड?" कई यूजर्स ने कृति के विवाद का जिक्र किया। एक यूजर ने लिखा, "सबने रक्षाबंधन के ऐड के लिए कृति को ट्रोल किया था, अब इनके बारे में क्या? कृति फिर भी बेहतर थीं।" कुछ यूजर्स ने धार्मिक आयोजनों में ड्रेस कोड की भी मांग की, जबकि एक अन्य कमेंट में कहा गया, "लोगों ने एक ऐड में राखी आउटफिट के लिए कृति को बहुत बुरा-भला कहा था! गणपति सेलिब्रेशन में इस तरह के अंग-प्रदर्शन से सबको कोई दिक्कत क्यों नहीं है।" फिलहाल, दिशा पाटनी ने अपने गणपति लुक को लेकर हो रही आलोचना या टिप्पणियों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बता दें कि कृति सेनन से जुड़ा ये विवाद तब शुरू हुआ जब Giva के रक्षाबंधन वाले विज्ञापन में एक्ट्रेस को राखी बांधते हुए आइवरी रंग के ब्रालेट और स्कर्ट के साथ केप पहने दिखाया गया। सोशल मीडिया पर इस ऐड को लेकर कृति को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। दिशा पाटनी के इस लुक को लेकर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं अलग-अलग नजर आईं। कुछ यूजर्स ने धार्मिक आयोजन के दौरान पहनावे को लेकर आपत्ति जताई, जबकि कुछ लोगों ने इसे अभिनेत्री की व्यक्तिगत पसंद बताते हुए ट्रोलिंग पर सवाल उठाए। इसके चलते चर्चा केवल दिशा के आउटफिट तक सीमित न रहकर सार्वजनिक आयोजनों में सेलिब्रिटीज के पहनावे और सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचना तक पहुंच गई। कृति सेनन के पुराने विवाद का संदर्भ दिए जाने के बाद दोनों मामलों को लेकर सोशल मीडिया पर बहस और तेज हो गई। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि अलग-अलग अभिनेत्रियों के पहनावे पर प्रतिक्रिया देने के दौरान क्या एक जैसे मानदंड अपनाए जाते हैं। वहीं, कुछ लोगों ने दोनों घटनाओं को अलग-अलग संदर्भों में देखने की बात कही। गणेश चतुर्थी जैसे धार्मिक आयोजनों में फिल्मी सितारों की मौजूदगी अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनती है। इस बार भी पूजा समारोह की तस्वीरों और वीडियो सामने आने के बाद कलाकारों के पारंपरिक परिधानों, स्टाइल और उनके सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत होने के तरीके पर यूजर्स ने अपनी राय साझा की।

शाहरुख खान पूरे परिवार के साथ मनाते हैं गणेश उत्सव, पत्नी गौरी करती हैं पूजा-प्रार्थना, बोले- 'आज बप्पा का विसर्जन होगा'

शाहरुख खान अक्सर बताते आए हैं कि उनका परिवार कैसे अलग-अलग धर्मों के त्योहार साथ सेलिब्रेट करता है। दिवाली हो या ईद, हर मौके पर शाहरुख खान और उनका परिवार साथ होता है और साथ मिलकर हर त्योहार मनाता है। सुपरस्टार हर साल गणेश चतुर्थी का पर्व भी मनाते हैं। हाल ही में फैंस के साथ एक सवाल-जवाब सेशन के दौरान भी उन्होंने अपने घर में गणपति उत्सव मनाने के बारे में बात की। सुपरस्टार ने बताया कि वह भी हर साल अपने घर में गणेश चतुर्थी पर बप्पा का स्वागत करते हैं और उनका परिवार साथ मिलकर ये त्योहार मनाता है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी गौरी खान आरती और पूजा करती हैं, जबकि उनके दोस्त और परिवार साथ समय बिताने के लिए इकट्ठा होते हैं। एक्स (पहले ट्विटर) पर शाहरुख खान ने सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। अपने पोस्ट में सुपरस्टार ने लिखा- 'सभी को गणपति की शुभकामनाएं। हर तरफ बस त्योहार और खुशियों का माहौल है और बप्पा आपकी जिंदगी में और भी खुशियां लाएं। खुशियों को दोस्तों के साथ बांटने से मजा और बढ़ जाता है। तो चलिए, साथ मिलकर खुशियां बांटते हैं और हंसी-मजाक करते हैं। अगर आप लोगों के पास थोड़ा समय है तो #AskSRK करते हैं।' शाहरुख खान ने जैसे ही ये पोस्ट शेयर किया, फैंस उनसे अलग-अलग तरह के सवाल करने लगे।

राजपाल यादव को चेक बाउंस केस में बड़ी राहत, पैसे जमा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दिया 2 हफ्ते का समय

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव पिछले कुछ महीनों से चेक बाउंस केस को लेकर सुर्खियों में हैं। अब तक उन्हें इस मामले में राहत नहीं मिली है। 10 जुलाई को दिल्ली हाई कोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए राजपाल यादव को 3 महीने की सजा सुनाई थी, जिसके बाद अभिनेता ने सरेंडर की समय सीमा खत्म होने से पहले सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को इस मामले पर सुनवाई करते हुए अभिनेता को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में 5 करोड़ जमा करने पर सरेंडर में छूट दे दी थी। अब आज, 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव की याचिका पर फिर सुनवाई की, जिसमें अभिनेता को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव को पैसे जमा करने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया है। मंगलवार, 15 सितंबर को राजपाल यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता को पैसे जमा करने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया और साथ ही ये भी कहा कि ये उनके लिए आखिरी मौका है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 5 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। कोर्ट ने अभिनेता को कम से कम 2 करोड़ रुपए जमा करने और बकाया राशि जमा करने की श्योरिटी देने को कहा है। साथ ही कोर्ट ने राजपाल यादव को अपना पासपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को अभिनेता की याचिका पर सुनवाई की थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में 5 करोड़ जमा कराने पर ही सरेंडर में छूट देने को कहा था। कोर्ट ने अभिनेता को ये रकम जमा करने के लिए 9 सितंबर तक का समय दिया था। कोर्ट ने कहा था कि उन्हें चेक बाउंस मामलों में तभी राहत मिलेगी, जब वह पैसे जमा करेंगे, वरना उन्हें जेल जाना होगा। राजपाल यादव ने पिछले दिनों शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान इस विवाद पर खुलकर बात की थी। बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि इतनी फिल्मों और काम के बाद भी वह 5 करोड़ का मामूली कर्ज कैसे नहीं चुका पा रहे हैं तो जवाब में यादव ने कहा- 'यही तो असली सवाल है, जिस दिन लोगों को ये बात समझ आ जाएगी, वो मेरा पूरा केस भी समझ जाएंगे। ये पैसे का मुद्दा है ही नहीं। ये तो सिद्धांतों का मुद्दा है।'

सार समाचार

UNGA में आमने-सामने होंगे PM मोदी-रहमान? बांग्लादेश ने दिया बड़ा बयान

भोपाल। भारत की मेजबानी में आयोजित हुए ब्रिक्स समिट 2026 से नदारद रहने पर पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश की ओर से बड़ा बयान सामने आया है।

बांग्लादेश के भारत के साथ रिश्ते को लेकर विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने सफाई दी है।

उन्होंने कहा कि भारत भी बाकी देशों की तरह एक देश है और हम हमेशा उनकी चर्चा नहीं कर सकते। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ अपने द्विपक्षीय संबंध को फिर से बेहतर करना चाहता है। हुमायूं कबीर के अनुसार, ढाका और दिल्ली के बीच पिछले 15 सालों के दौरान जो संबंध थे उससे आगे निकलकर इसे नए सिरे से बहाल करने की जरूरत है।

बता दें, राजधानी दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय (12 से 13 सितंबर) ब्रिक्स समिट में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान शामिल नहीं हुए थे।

इस पर हुमायूं कबीर ने कहा था कि बांग्लादेश के पीएम को आमंत्रित नहीं किया गया। प्रथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार हुमायूं कबीर से पूछा गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। ये सवाल सुनते ही हुमायूं कबीर का पारा चढ़ गया। उन्होंने कहा, 'हम हर समय नाश्ते, लंच और डिनर करते समय सिर्फ भारत के बारे में ही नहीं सोच सकते। हमें भारत को लेकर जरूरत से ज्यादा सोचने या अटके रहने की आदत से बाहर निकलना होगा। भारत भी बाकी देशों की तरह ही एक देश है और बांग्लादेश उसके साथ अच्छे संबंध चाहता है।'

अमेरिका ने वो कर दिया जो किसी ने नहीं किया, स्पेस में तैनात किया हथियार, रूस-चीन को दी चेतावनी

US स्पेस फोर्स ने बताया कि अमेरिका ने अंतरिक्ष में हथियार तैनात कर रखे हैं। इस तरह ऑर्बिट में हथियारों की मौजूदगी की पुष्टि पहली बार की गई है। US एयर फोर्स के सेक्रेटरी ट्रॉय मींक ने चीन और रूस को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिकी फोर्स को दुश्मन ताकतों से बचाने के लिए 'ऑन-ऑर्बिट' हथियार जरूरी थे। CNN के अनुसार, मींक ने मैरीलैंड के नेशनल हार्बर में सालाना एयर, स्पेस और साइबर कॉन्फ्रेंस में ये बातें कहीं, लेकिन हथियारों के बारे में कोई खास जानकारी नहीं दी। जब उनसे और जानकारी देने के लिए कहा गया, तो उन्होंने अतिरिक्त विवरण देने से इनकार कर दिया। अमेरिका के दो मुख्य भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, रूस और चीन अंतरिक्ष में अमेरिकी हितों के लिए संभावित खतरा माने जाते हैं।

लश्कर सरगना हाफिज सईद का करीबी आतंकी मारा गया, कराची में चार बंदूकधारियों ने गोलियों से किया छलनी

कराची। पाकिस्तान में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को बड़ा झटका लगा है। इस संगठन से जुड़े एक आतंकी की हत्या कर दी गई। मारा गया आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के चीफ हाफिज सईद का करीबी बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। हाफिज सईद के करीबी को चार अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलियों से छलनी कर दिया। जिस वक्त हाफिज सईद के इस करीबी पर हमला हुआ उस वक्त पर दरवाजे के पास बैठा हुआ था। उसी समय दो बाइक पर सवार होकर चार बंदूकधारी पहुंचे और गोलियों की बौछार कर दी। हमला इतनी तेजी से किया गया कि सईद के करीबी इस आतंकी को हिलने का भी मौका नहीं मिल पाया। मृतक को लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का करीबी बताया जा रहा है। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से अभी तक उसकी पहचान और संगठन में उसकी भूमिका को लेकर कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इस वारदात के बाद हमलावर आतंकी का हथियार भी अपने साथ लेते गए। दिन-दहाड़े हुई इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े लोग भी पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हमलावरों की पहचान के साथ हत्या की वजह का भी पता लगाने में जुटी हैं। बताया जा रहा है कि उसे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार दी।

हूतियों ने ड्रोन और मिसाइल से सऊदी पर किया हमला, मक्का में इमरजेंसी अलर्ट जारी

यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को सऊदी अरब के कुछ इलाकों में ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिसके बाद सऊदी अरब ने मक्का में पहली बार इमरजेंसी अलर्ट जारी किया। सऊदी सिविल डिफेंस के मुताबिक, 'यह चेतावनी नेशनल अर्ली वार्निंग प्लेटफॉर्म के जरिए जारी की गई थी।' अलर्ट के दौरान लोगों को ऊंची इमारतों और खुले स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई। कुछ समय बाद सिविल डिफेंस ने बताया कि तत्काल खतरा खत्म हो गया है। इसके साथ ही लोगों से भीड़ से दूर रहने और घटना से जुड़ी फोटो या वीडियो नहीं बनाने की अपील की गई। इससे पहले मंगलवार सुबह जेद्दा और ताइफ में भी इसी तरह की इमरजेंसी चेतावनी जारी की गई थी। खतरा टलने के बाद इन दोनों जगहों के अलर्ट भी हटा दिए गए। हूती विद्रोहियों ने इससे पहले 27 जुलाई 2017 को मक्का की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी।

हालांकि, सऊदी अधिकारियों के मुताबिक, मिसाइल को मक्का से करीब 69 किलोमीटर दूर अल-वसिलिया इलाके में ही नष्ट कर दिया गया था। मक्का, जेद्दा और ताइफ में जारी चेतावनी में लोगों से भीड़ वाले स्थानों और खुले इलाकों में जाने से बचने को कहा गया।

लोगों को शांत रहने और खतरा महसूस होने पर तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की सलाह दी गई। सिविल डिफेंस ने लोगों से घर के अंदर रहने और खिड़की, बालकनी, छत, शीशे और खुले हिस्सों से दूरी बनाए रखने को कहा।

अगर कोई व्यक्ति बाहर है, तो उसे नजदीकी इमारत में जाने या किसी मजबूत संरचना की आड़ लेने की सलाह दी गई। खतरा पूरी तरह खत्म होने तक सुरक्षित जगह पर रहने को कहा गया। अधिकारियों ने लोगों से सरकारी निर्देशों का पालन करने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। संवेदनशील क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखी गई, जबकि सुरक्षा एजेंसियों ने संभावित खतरे को लेकर आवश्यक एहतियाती कदम उठाए।

ब्रिक्स समिट के बाद ईरान-UAE रिश्तों में आया नया मोड़, सुधार को लेकर पेजेश्कियान ने किया बड़ा दावा

तेहरान। भारत में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ था। इसमें सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस दौरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान शामिल हुए थे, जहां पर दोनों नेताओं ने इससे इतर बैठक की थी। इसके बाद अब खबर मिली है कि दोनों देशों के संबंधों में सुधार देखने को मिल रहे हैं। यानी अब दोनों देश पुरानी बातों को छोड़कर आगे बढ़ना चाहते हैं। ईरानी राष्ट्रपति और यूएई प्रिंस की मुलाकात नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स समिट के पहले दिन हुई थी। इसके एक दिन बाद यानी रविवार (13 सितंबर) को ईरानी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के रिश्तों में सुधार को लेकर बड़ा बयान दिया है। गौरतलब है कि इसी साल फरवरी के अंत में अमेरिका और इजरायल ने संयुक्त सैन्य हमला ईरान पर किया था। इसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिका के सहयोगी देशों को टारगेट बनाया था। इनमें सबसे ज्यादा हमले यूएई में किए गए थे। इन हमलों से यूएई भड़क गया था और अगस्त महीने में एक बयान जारी कर कहा था कि वह ईरान के साथ हुए ट्रेड और फाइनेंशियल एक्सचेंजेस को सस्पेंड करेगा। समाचार एजेंसी AFP से बातचीत के दौरान ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान का कहना है, "युद्ध और पर्शियन गल्फ में हुई घटनाओं के बाद पहली बार मेरी अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के साथ रचनात्मक बातचीत हुई और हमारे बीच यह सहमति बनी कि हम बीती बातों को पीछे छोड़कर आगे की तरफ देखें और एक साथ मिलकर अपने भविष्य को बनाएं।" लेकिन दोनों नेताओं की बैठक सफल बताई गई थी।

क्या AI दुनिया पर कब्जा कर लेगा, रोबोट शहरों में घुसकर लोगों को खत्म कर देंगे?

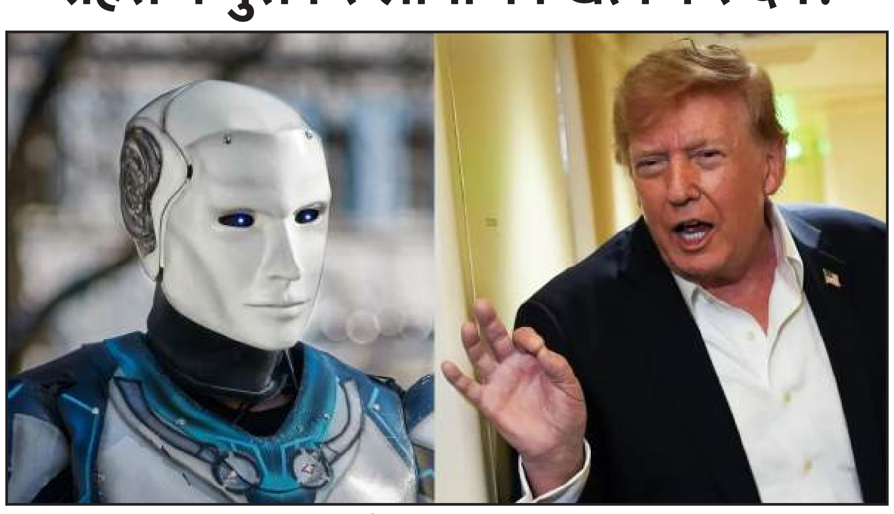

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI से जुड़ी चिंताओं को सिरे से नकार दिया है। ट्रंप ने AI के विकास पर किसी भी तरह की रोक लगाने की आवश्यकता को खारिज कर दिया है। ट्रंप ने कहा है कि AI के तेजी से विकास और निगरानी की कमी की चेतावनियां नकारात्मक सोच का नतीजा है। ट्रंप ने ये भी कहा है कि उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में चीन के सामने अमेरिका की साख खोने की चिंता है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर के कहा है कि AI का दुनिया पर कब्जा कर लेने का दावा झूठ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर किए गए पोस्ट में कहा- मैं झूठ का पर्दाफाश करने वाला हूं।

और अभी मैं एक और झूठ का पर्दाफाश कर रहा हूं कि AI दुनिया पर कब्जा कर लेगा, उसे निगल जाएगा और बर्बाद कर देगा, और रोबोट हमारे शहरों में घुस आएंगे और हम सबको खत्म कर देंगे। यह 'रूस, रूस' वाले झूठ या ग्लोबल वार्मिंग के स्कैम से भी ज्यादा बेतुका है।" एपी के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि AI को लेकर हम कड़े कदम उठा सकते हैं लेकिन नकारात्मक सोच इस मामल पर बेकार में चिंता जता रही है। वे ऐसी बातें कर रहे हैं जो कभी होंगी ही नहीं। जो भी AI की इस रेस को जीतेगा, वही सबसे ऊपर रहेगा। अमेरिका AI के विकास में चीन से आगे है। मैं इस बढ़त को बनाए रखना चाहता हूं, क्योंकि जो AI जीतेगा, वही सब कुछ जीतेगा।" ट्रंप ने आगे कहा- "AI को जिस इकलौते लिमिट या सुरक्षा नियम की जरूरत है वह है एक एक मजबूत और स्मार्ट राष्ट्रपति। और अमेरिका के पास ऐसा राष्ट्रपति है।" आपको बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने ये भी कहा था कि चीन हमारी जासूसी करता है, हम भी ऐसा ही करते हैं। "ये सब कट्टरपंथी वामपंथी डेमोक्रेट हैं, जो कभी हार नहीं मानते, लेकिन जीतते भी शायद ही कभी हैं। उम्मीद है कि वोटरों को असलियत समझ आ गई होगी।"

वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड ने अलग होने के लिए समझौते पर दस्तखत किए

दुनिया के एक बड़े हिस्से पर किसी दौर में ब्रिटेन का राज हुआ करता था। ब्रिटिश सरकार ने कई देशों पर कब्जा किया, उन्हें लूटा और उनका बंटवारा भी किया। आज उसी ब्रिटेन को बंटवारे का डर सताने लगा है। दरअसल, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड ब्रिटेन से अलग हो सकते हैं। दरअसल, इन तीनों ही क्षेत्रों के शीर्ष नेताओं ने सोमवार को एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिससे ब्रिटेन के टूटने का खतरा बढ़ गया है। इन देशों ने अधिक स्वायत्तता और आजादी के लिए जनमत संग्रह कराने के अधिकार की मांग को लेकर समझौता किया है। वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड के शीर्ष नेताओं ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम और उनकी सरकार को कड़ा संदेश भेजा है। इन नेताओं ने कहा है कि ब्रिटिश पीएम संवैधानिक बदलाव के लिए तैयार रहें।

ऐसा इसलिए क्योंकि इन इलाकों का भविष्य यूरोपियन यूनियन के साथ में है। जानकारी के मुताबिक, वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड के शीर्ष नेताओं ने जिस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, उसमें ब्रिटेन की संसद की ओर इशारा करते हुए कहा गया है कि "इन द्वीपों और दुनिया भर में इसे देख रहे लोगों के लिए, इससे साफ संकेत और कोई नहीं हो सकता कि वेस्टमिंस्टर का समय अब खत्म हो रहा है।"

दरअसल, पहली बार स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड में आजादी के समर्थन वाली पार्टियां सत्ता में हैं। ये पार्टियां अपने देश के भविष्य को लेकर ज्यादा अधिकार मांग रही हैं।

PM मोदी और जिनपिंग की मुलाकात के बाद चीन का संदेश, भारत के साथ साझेदारी पर दिया जोर

बीजिंग। भारत में दो दिवसीय ब्रिक्स समिट का आयोजन नई दिल्ली में हुआ था। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक हुई थी। इसको लेकर चीन के विदेश मंत्रालय ने अहम बयान जारी किया है। इस दौरान मंत्रालय ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और आने वाले समय में दोनों देशों के बीच रिश्तों को लेकर प्रतिक्रिया दी है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने दोनों नेताओं की बैठक का जिक्र करते हुए बताया कि चीन के साथ रिश्तों को लेकर भारत का दृष्टिकोण किसी तीसरे पक्ष के प्रभाव से मुक्त है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी जमीन पर किसी भी ताकत को चीन-विरोधी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल नहीं करने देगा।

वांग यी ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग की बैठक को लेकर कहा कि दोनों नेताओं ने इस दौरान चीन-भारत के संबंधों पर चर्चा की। इस दौरान रणनीतिक, दीर्घकालिक और दिशा-निर्देश तय करने वाले मुद्दों पर खुलकर और विस्तार से बात की गई। साथ ही, इस मीटिंग में सहमति बनी है कि भारत और चीन को साझेदार होना चाहिए। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे की अच्छाइयों का फायदा उठा सकते हैं और सफलता पाने के लिए एक-दूसरे का सहयोग कर सकते हैं। चीन के विदेश मंत्री ने बताया कि इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए साथ मिलकर काम करने पर सहमति दी है। इसके साथ ही, ब्रिक्स की बारी-बारी से मिलने वाली अध्यक्षता के लिए समर्थन करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि इस दौरान व्यापक तौर पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। वांग यी ने बताया कि इस मीटिंग के दौरान चीन और भारत ने अपील की है कि आपसी सम्मान और समझदारी की राजनीतिक सूझबूझ का उपयोग करके रुकावटों को दूर करने का काम किया जाएगा। इसके साथ ही, द्विपक्षीय संबंधों और सीमा से जुड़े विवादों को मिलकर निपटाने का आग्रह किया। इससे दोनों देशों के रास्ते एक-दूसरे के लिए मजबूत होंगे और सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनी रहेगी। वांग यी के बयान से संकेत मिलता है कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक संवाद और आपसी संपर्क को महत्वपूर्ण मान रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों के बावजूद सीमा क्षेत्रों में शांति बनाए रखना संबंधों को स्थिर करने का प्रमुख आधार बना हुआ है।

तेल के बाद सऊदी अरब को मिला नया 'खजाना', मदीना में मिले दुर्लभ खनिज और यूरेनियम के भंडार

रियाद। सऊदी अरब ने मदीना क्षेत्र में करीब 11 करोड़ टन अयस्क के बड़े भंडार की खोज का ऐलान किया है। इसमें भारी मात्रा में दुर्लभ खनिज यानी कि 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के साथ-साथ यूरेनियम भी मौजूद है। सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानी कि IAEA के सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। यह खोज ऐसे समय में सामने आई है, जब सऊदी और अमेरिका के बीच परमाणु ऊर्जा और रणनीतिक खनिजों को लेकर सहयोग लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इस खोज को सऊदी अरब के लिए आर्थिक और रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है। अरब न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी ऊर्जा मंत्री ने बताया कि मदीना में जबल सय्यिद परियोजना में किए गए भूगर्भीय सर्वे और खोज के दौरान करीब 11 करोड़ टन अयस्क के संसाधनों का अनुमान लगाया गया है।

इस अयस्क में दुर्लभ खनिजों की मात्रा काफी ज्यादा है। खास तौर पर इसमें भारी दुर्लभ खनिज की अच्छी मात्रा पाई गई है। इसके अलावा यूरेनियम की भी संभावनाएं काफी मजबूत मिली हैं। मंत्री ने IAEA के सम्मेलन में कहा कि जबल सय्यिद में खोज और भूगर्भीय अध्ययनों से करीब 11 करोड़ टन अयस्क के संसाधन होने का अनुमान है। सऊदी अरब की इस घोषणा का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि कुछ महीने पहले ही अमेरिका और सऊदी अरब ने नागरिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को औपचारिक रूप दिया था।

क्या किम जोंग उन मानेंगे कोर्ट का फैसला? 6 साल पुराने मामले में 325 लाख डॉलर चुकाने का आदेश

दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। उसने उत्तर कोरिया को 446 करोड़ वोन यानी करीब 325 लाख डॉलर का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह राशि साल 2020 में दोनों देशों के बीच संपर्क कार्यालय को तोड़ने के नुकसान के लिए है। यह पहला मौका है जब दक्षिण कोरियाई सरकार ने उत्तर कोरिया के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर किया और फैसला भी उसके पक्ष में आया। यह संपर्क कार्यालय दोनों कोरिया को जोड़ने का एक अहम पुल था। 2020 में उत्तर कोरिया ने अचानक इसे गिरा दिया था। उस समय दोनों देशों के रिश्ते पहले से ही तनावपूर्ण थे। अब अदालत ने साफ कहा कि इस विध्वंस से दक्षिण कोरिया को आर्थिक नुकसान हुआ है और उत्तर कोरिया को इसकी भरपाई करनी होगी। यह मुकदमा जून 2023 में दायर किया गया था। उस समय दक्षिण कोरिया में कंजर्वेटिव सरकार थी और राष्ट्रपति यून सुक योल सत्ता में थे। यून सरकार ने उत्तर कोरिया के खिलाफ सख्त रुख अपनाया था। लेकिन बाद में दिसंबर 2024 में यून ने मार्शल लॉ लगाने की कोशिश की जो कुछ ही घंटों में विफल हो गई। इसके बाद उन्हें पद से हटना पड़ा। अब नई सरकार के समय यह फैसला आया है। अदालत का यह फैसला कई मायनों में महत्वपूर्ण है। उत्तर कोरिया आमतौर पर ऐसी अंतरराष्ट्रीय या दक्षिण कोरियाई अदालतों के आदेशों को मान्यता नहीं देता। वह अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देता है। लेकिन दक्षिण कोरियाई सरकार के लिए यह एक कानूनी जीत है। यह दिखाता है कि वे उत्तर कोरिया की कार्रवाइयों के खिलाफ कानूनी रास्ता अपना रहे हैं। संपर्क कार्यालय को तोड़ना दोनों देशों के रिश्तों में एक बड़ा मोड़ था।

खेल समाचार

पूर्व क्रिकेटर कपिल देव बोले- हर वर्ष छत्तीसगढ़ में हो गोल्फ का बड़ा टूर्नामेंट

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं 1983 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव ने डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026 के आयोजन में सहयोग के लिए सीएम विष्णु देव साय और छत्तीसगढ़ सरकार का आभार व्यक्त किया। कपिल देव ने इच्छा व्यक्त की कि इस प्रतिष्ठित गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ में प्रत्येक वर्ष हो और आने वाले वर्षों की तारीखें पहले से निर्धारित की जाएं। इससे देश-विदेश के प्रोफेशनल खिलाड़ी अपने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट कैलेंडर के अनुरूप छत्तीसगढ़ आने की योजना बना सकेंगे। बता दें कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया द्वारा 15 सितंबर को नवा रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब रिजॉर्ट में आयोजित प्रतिष्ठित डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026 कार्यक्रम में प्रतियोगिता की ट्रॉफी का अनावरण किया। गोल्फ टूर्नामेंट में देश-विदेश के 132 प्रोफेशनल गोल्फर हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में देश-विदेश के 132 पेशेवर गोल्फरों की भागीदारी से नवा रायपुर को अंतरराष्ट्रीय गोल्फ आयोजन के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में पहचान मिलने की संभावना बढ़ी है। इससे नवा रायपुर में खेल पर्यटन और खेल आधारित गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

IND vs AFG दूसरे टी20 में भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, सीरीज में हासिल की 2-0 की बढ़त

भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मैच आज दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता और उन्होंने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। अफगानिस्तान की टीम इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाने में कामयाब रही। टीम इंडिया ने 160 रन के टारगेट को 14.5 ओवर में 7 विकेट रहते हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारतीय टीम अब इस सीरीज में 2-0 से आगे हो चुकी है। इस मैच के लिए टीम इंडिया ने अपने स्क्वॉड में एक बदलाव किया था। वरुण चक्रवर्ती की जगह रवि बिश्नोई को इस मैच में मौका मिला। पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत इस मैच में अच्छी नहीं रही। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी का पहला ओवर मेडन फेंका और दूसरे ही ओवर में अर्शदीप सिंह ने अफगानी टीम को पहला झटका भी दिया। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज इस मैच में खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। उसके बाद दूसरे विकेट के लिए इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल के बीच 51 रन की साझेदारी हुई। जादरान 37 रन बनाकर आउट हुए और रुके आउट होने के बाद अफगानी टीम लगातार विकेट गंवाती रही।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने अपने ही पैर पर मारी कुल्हाड़ी, 39 साल बाद हुई अनहोनी

क्रिकेट की दुनिया में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है, जब कोई बल्लेबाज अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ले। वैसे तो पैर पर कुल्हाड़ी मारना एक मुहावरा है, जो अक्सर इस्तेमाल होता है, लेकिन मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने करीब करीब ऐसा ही किया।

ऑस्ट्रेलिया के ओलिवर पीक अपना विकेट खुद ही दे बैठे और वो हिट विकेट हो गए। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इस वक्त जिम्बाब्वे के दौरे पर है, जहां तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में ओलिवर पीक हिट विकेट हो गए। वे एक बॉल को खेलने के दौरान इतने पीछे गए कि अपने पैर से विकेट को हिट कर दिया और हिट विकेट हो गए। किसी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज के साथ ऐसा करीब 39 साल बाद हुआ है। इससे पहले साल 1987 में ऐलन बॉर्डर वेस्टइंडीज के खिलाफ सिडनी में खेले गए वनडे में इसी तरह से हिट विकेट हुए थे। हालांकि ऐसा करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ब्रूस लेयर्ड थे, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ 1982 में हिट विकेट हुए थे। जिम्बाब्वे बनाम ऑस्ट्रेलिया पहले वनडे में न्यूमैन न्यामहुरी की बॉल पर ओलिवर अजीबोगरीब तरीके से आउट हुए। ओलिवर स्टंप पर आ गए। वे गेंद को रोकने के लिए क्रीज में काफी पीछे थे। इसी दौरान उनका पिछला पैर स्टंप से टकरा गया और बेल्स गिर गईं। ओलिवर पीक ने 40 बॉल पर 30 रन की पारी खेली। उन्होंने एक चौका और एक छक्का लगया। मैच के दौरान नंबर छह बल्लेबाजी के लिए आए मैट रेनशॉ ने शानदार शतक लगाया। उन्होंने 94 बॉल पर 109 रन की पारी खेली। इसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल रहे। टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 294 रन बनाने में कामयाबी हासिल की।

10 विकेट लेकर मैच जिताऊ प्रदर्शन के बाद कुलदीप यादव ने टेस्ट में नहीं चुने जाने पर तोड़ी चुप्पी

कुलदीप यादव मौजूदा समय में यॉर्कशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेलने में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में एसेक्स पर पारी की जीत में 10 विकेट लिए लेकर यॉर्कशायर के लिए मैच जिताऊ प्रदर्शन किया है। यह पहली बार है, जब उन्होंने फर्स्ट-क्लास मैच में 10 विकेट लिए हैं। इस मैच प्रदर्शन के बाद कुलदीप का टेस्ट में नहीं चुने जाने का दर्द भी बाहर आ गया। उन्होंने कहा कि आप निश्चित रूप से जब आप प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होते हैं, तो आपको अपने लिए बुरा लगता है। क्योंकि जब आप स्क्वाड में होते हैं, तो आप खेलना चाहते हैं। कुलदीप यादव के साथ हमेशा ऐसा होता रहा है कि वह स्क्वॉड में तो होते हैं, लेकिन बल्लेबाजी में कमी के चलते उन्हें गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद बाहर कर दिया जाता है। चौंकाने वाली बात है कि उन्होंने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था, लेकिन अब तक वह सिर्फ 19 टेस्ट खेल सके हैं। एक बार नहीं कई बार मैनेजमेंट ने उन्हें सबसे लंबे फॉर्मेट के लिए नजरअंदाज किया है। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भी कुलदीप को नज़रअंदाज किया गया था, क्योंकि सारांश जैन को कोलंबो में प्लेइंग इलेवन में जगह मिली थी, जहां मैच ड्रॉ रहा था। कुलदीप ने नील मैंथॉर्प और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन को टॉकस्पोर्ट इंटरव्यू में बताया कि दुर्भाग्य से या सौभाग्य से कभी-कभी आपको टीम कॉम्बिनेशन या स्ट्रैटेजी के साथ जाना पड़ता है। निश्चित रूप से जब आप नहीं खेल रहे होते हैं और जब आप प्लेइंग XI का हिस्सा नहीं होते हैं, तो आपको अपने लिए बुरा लगता है। उन्होंने कहा कि जब आप स्क्वाड में होते हैं, तो आप खेलना चाहते हैं, लेकिन कभी-कभी मैनेजमेंट जो सोचता है, उसकी वजह से ऐसा नहीं हो पाता। पिछले साल मुझे उम्मीद थी कि मुझे कुछ गेम में मौका मिलेगा, लेकिन कोई बात नहीं हुई। इसलिए सोचा चलो शायद अगली बार मिलेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या काउंटी में इस परफॉर्मेंस से टीम मैनेजमेंट के लिए कोई बात साबित हुई, तो कुलदीप ने कहा कि नहीं, सच में नहीं। यहां कोई बात साबित करने के बारे में नहीं है। मैं यहां सिर्फ एन्जॉय करने आया हूं। यह सब एन्जॉय करने के बारे में है। जब आप एन्जॉय कर रहे होते हैं, तो आप अपनी पूरी काबिलियत से बॉलिंग करते हैं। कुलदीप ने साफ किया कि काउंटी क्रिकेट में लौटने का उनका फैसला इंडिया के सिलेक्टर्स या किसी और को कोई बात साबित करने की इच्छा से नहीं था। वह बस कॉम्पिटिटिव क्रिकेट खेलना और उसका मजा लेना चाहते थे। कुलदीप ने कहा कि मुझे पर्सनली लगता है कि इंग्लिश काउंटी का अनुभव बैटर्स और स्पिनर्स के लिए बहुत अच्छा है। आपको यहां-वहां सीमिंग कंडीशंस देखने को मिलेंगी, लेकिन आप यहां खेलने के लिए उन चैलेंजेस की आदत डाल लेते हैं, जिनका आप सामना करते हैं। आप घर पर उनका सामना नहीं करेंगे, क्योंकि आप वहां खेलते हुए बड़े हुए हैं और आप कंडीशंस को अच्छी तरह जानते हैं। कुलदीप के लिए यॉर्कशायर के साथ यह प्रदर्शन व्यक्तिगत तौर पर भी महत्वपूर्ण रहा। पहली बार किसी फर्स्ट-क्लास मुकाबले में 10 विकेट लेने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा होगा। इंग्लैंड की परिस्थितियों में गेंदबाजी करते हुए उन्होंने अपनी विविधता और लंबे स्पैल में प्रभावी रहने की क्षमता का प्रदर्शन किया।

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी की तारीख तय, 4 दिसंबर को लखनऊ में लेंगे सात फेरे

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों की शादी इसी साल 4 दिसंबर को लखनऊ के रमाडा होटल में होगी। इससे पहले 8 जून 2025 को लखनऊ के सेंट्रम होटल में दोनों की सगाई हुई थी। अब शादी की तारीख और जगह तय होने के बाद दोनों ही परिवारों में जश्न का माहौल है और शादी की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं। रिंकू की कप्तानी में मेरठ मेवरिक्स की टीम UPT20 लीग 2026 की चैंपियन बनी थी। पहले दोनों की शादी जून 2026 में तय हुई थी, लेकिन रिंकू के पिता खानचंद सिंह का कैंसर से निधन हो जाने के कारण इसे टालना पड़ा। उनके पिता की अंतिम इच्छा अपने बेटे की शादी देखने की थी, पर अफसोस कि शादी से पहले ही वे इस दुनिया को अलविदा कह गए। पिता के जाने के बाद दोनों परिवारों की सहमति से शादी आगे बढ़ा दी गई और अब यह दिसंबर में तय हुई है। हालांकि अभी मेहमानों की सूची तो सामने नहीं आई है, पर दोनों ही तरफ से शादी की तैयारियां पूरे जोरों पर चल रही हैं। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की सगाई जून 2025 में लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित 'द सेंट्रम' होटल में हुई थी। इस खास मौके पर कई बड़ी हस्तियां मौजूद रही थीं। मेहमानों में समाजवादी पार्टी के प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, एक्ट्रेस जया बच्चन और तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार जैसी चर्चित हस्तियां शामिल थीं। अखिलेश यादव ने तो रिंकू और प्रिया के साथ तस्वीरें खिंचवाकर उन्हें शादी की शुभकामनाएं भी दी थीं। रिंकू सिंह यूपी के अलीगढ़ के रहने वाले हैं और वे भारतीय क्रिकेट टीम के एक बेहतरीन टी20 खिलाड़ी बन चुके हैं। वहीं प्रिया सरोज समाजवादी पार्टी की एक युवा सांसद हैं, जिनकी यूपी की राजनीति में अच्छी पहचान है। प्रिया सरोज साल 2024 में उत्तर प्रदेश की मछलीशहर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ीं और जीत हासिल कर संसद पहुंचीं। 4 दिसंबर को होने वाली इस शादी में दोनों के रिश्तेदारों और दोस्तों के अलावा क्रिकेट और राजनीति जगत की कई बड़ी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है।

अफगानिस्तान को 7 विकेट से दी मात, सीरीज में बनाई 2-0 की अजेय बढ़त

भारत ने दूसरे टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से मात दे दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। पहले मुकाबले में भी भारत ने 7 विकेट से ही जीत दर्ज की थी। सीरीज का तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस हारकर अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 8 विकेट पर 159 रन बनाए। भारतीय टीम ने 15वें ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। भारत की ओर से संजू सैमसन ने तूफानी पारी खेली। उन्होंने केवल 22 गेंदों पर 57 रन जड़ दिए।

इस दौरान उनके बल्ले से 7 चौके व 4 छक्के निकले। संजू ने अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए केवल 38 गेंदों पर 88 रन की साझेदारी की। अभिषेक ने 19 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली। ईशान किशन ने नाबाद 38 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान की ओर से सभी तीन विकेट राशिद खान ने लिए।

अफगानिस्तान की तरफ से कप्तान इब्राहिम जादरान ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। उनके अलावा निचले क्रम में राशिद खान ने 28 और मोहम्मद नबी ने 20 रन की पारी खेली। भारत की ओर से नीतीश रेड्डी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह को दो सफलता मिलीं। भारत - संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, रवि बिश्नोई। अफगानिस्तान - रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान (कप्तान), सेदीकुल्लाह अटल, गुलबदीन नायब, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी।

भुवनेश्वर कुमार ने टीम इंडिया में वापसी पर तोड़ी चुप्पी

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार पिछले काफी सालों से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। वह पिछले कुछ समय से लगातार IPL, UPT20 लीग और डोमेस्टिक क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को लगातार दो बार आईपीएल (IPL) खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके इस प्रदर्शन को देखने के बाद अब फैंस भुवनेश्वर कुमार को टीम में वापस शामिल करने की मांग कर रहे हैं। इस बीच भुवी ने खुद बताया है कि वह भारतीय टीम में वापसी को लेकर क्या सोचते हैं। इससे पहले भी भुवी अपने कमबैक को लेकर बात कर चुके हैं। न्यूज एजेंसी ANI के हवाले से एक इंटरव्यू के दौरान भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि अब वे किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं खेल रहे हैं, लेकिन अगर उन्हें दोबारा भारत के लिए खेलने का मौका मिलता है तो उन्हें बहुत खुशी होगी। उन्होंने माना कि अब वे पहले की तरह अगली सीरीज के चयन का इंतजार नहीं करते। भुवी ने बताया कि शुरुआत में भारतीय टीम में वापसी को लेकर उनके पास कुछ फोन आए थे, जिससे उन्हें उम्मीद जगी थी कि आने वाले मैचों में मौका मिल सकता है। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें समझ आ गया कि ऐसा नहीं होने वाला है।

धीरज बोम्मादेवरा ने रचा इतिहास, तीरंदाजी वर्ल्ड कप के फाइनल में गोल्ड पर जमाया कब्जा

टॉप रैंकिंग वाले भारत के रिकर्व तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा ने मेक्सिको में खेले जा रहे तीरंदाजी विश्व कप में इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में जापान के नाकानिशी जुन्या को रोमांचक शूट-ऑफ में मात देकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। वह ऐसा करने वाले पहले मेंस रिकर्व तीरंदाज बन गए हैं। वर्ल्ड रैंकिंग में दसवें स्थान पर काबिज धीरज 2023 और 2024 सीजन में खराब प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए इस बार शानदार प्रदर्शन किया। धीरज बोम्मादेवरा ने खिताबी मैच 6-5 (28-28, 28-29, 29-28, 28-30, 28-27) से अपने नाम किया। मुकाबला 5 सेट के बाद स्कोर 5-5 से बराबर था, जिसके बाद शूट ऑफ में धीरज ने 10-9 से यादगार जीत दर्ज की। धीरज इसी महीने 23 सितंबर से शुरू होने वाले एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह 2022 एशियन गेम्स सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। धीरज वर्ल्ड कप फाइनल में गोल्ड मेडल जीतने वाले भारत के पहले मेंस रिकर्व तीरंदाज बन गए। उन्होंने प्रतिष्ठित खिताब जीतने के लिए भारतीय मेंस रिकर्व तीरंदाजी का 16 साल सूखा खत्म कर दिया। आखिरी बार जयंत तालुकदार ने 2010 में एडिनबर्ग में खेले गए वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस ऐतिहासिक जीत के बाद धीरज बोम्मादेवरा का आत्मविश्वास निश्चित तौर पर बढ़ा होगा। शूट-ऑफ में दबाव के बीच 10 अंक हासिल कर उन्होंने अपनी मानसिक मजबूती और सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन किया। फाइनल में जापान के नाकानिशी जुन्या के खिलाफ मुकाबला बेहद करीबी रहा और पांच सेट के बाद दोनों तीरंदाज बराबरी पर थे। धीरज के प्रदर्शन में सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने पूरे मुकाबले के दौरान धैर्य बनाए रखा। शुरुआती सेटों में दोनों खिलाड़ियों के बीच मामूली अंतर रहा, जबकि निर्णायक क्षण में धीरज ने अपने शॉट पर नियंत्रण बनाए रखते हुए मुकाबला अपने पक्ष में किया। विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अब धीरज के सामने अगली बड़ी चुनौती एशियन गेम्स की होगी। वह 23 सितंबर से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। एशियाई स्तर पर दक्षिण कोरिया, जापान और चीन जैसी मजबूत टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा रहती है।

टीम इंडिया का एक और गेंदबाज काउंटी क्रिकेट में दिखाया कमाल, नॉटिंघमशायर से खेलेंगे मुकेश कुमार

भोपाल। भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। वह 2026 काउंटी चैंपियनशिप सीजन के आखिरी दो मैचों में नॉटिंघमशायर की टीम का हिस्सा होंगे। इंग्लैंड के इस काउंटी क्लब ने सोमवार को मुकेश के साथ करार की जानकारी दी। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि मुकेश कुमार और अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी काउंटी चैंपियनशिप के अंतिम दौर में खेल सकते हैं। शमी के भी टूर्नामेंट के आखिरी चरण के लिए क्लब के साथ जुड़ने की संभावना जताई जा रही है। 32 साल के मुकेश कुमार ने भारत की ओर से तीनों फॉर्मेट में कुल 26 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इन मुकाबलों में उन्होंने 32 विकेट अपने नाम किए हैं। उनके अनुभव से नॉटिंघमशायर को सीजन के अहम मुकाबलों में फायदा मिलने की उम्मीद है। मुकेश के लिए यह काउंटी क्रिकेट में एक खास मौका भी होगा। वह पहली बार भारत से बाहर किसी घरेलू टीम के लिए फर्स्ट-क्लास क्रिकेट खेलेंगे। नॉटिंघमशायर से जुड़ने के बाद मुकेश ने कहा कि वह सीजन के महत्वपूर्ण समय में टीम के साथ आने को लेकर उत्साहित हैं।

वो 10 मिनट किसी की जान बचा सकते हैं, हार्ट अटैक के लक्षण दिखते ही करें ये काम

हार्ट अटैक आने पर इंसान घबरा जाता है और पैनिक होकर कई बार ऐसे काम करने लगता है जिससे परेशानी और बढ़ जाती है। अगर आपको या आपके पास किसी को हार्ट अटैक के लक्षण दिखाई दें तो शुरुआत के 10 मिनट सबसे कीमती होते हैं। अगर आपको बाएं हाथ और जबड़े में तेज दर्द है। सीने में दर्द उठ रहा है तो आपके पास 10 मिनट हैं। डॉक्टर समीर गुप्ता (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, ग्रुप हेड, कैथ लैब्स, डायरेक्टर, मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स) के मुताबिक एम्बुलेंस आने से पहले आपको ये काम करने चाहिए। इससे आपकी जान बचने का संभावना कई गुना बढ़ जाती है। कार्डियोलॉजिस्ट की मानें तो हर व्यक्ति को पता होना चाहिए कि हार्ट अटैक आने के बाद के 10 मिनट कितने अहम हैं। आपकी उम्र चाहे जो भी हो, चाहे आप खुद को कितना भी स्वस्थ महसूस कर रहे हों। क्योंकि 47% हार्ट अटैक उन लोगों को होते हैं जो पूरी तरह ठीक महसूस कर रहे थे। अगर आपको अचानक से बाएं हाथ में तेज दर्द, छाती पर ऐसा दबाव महसूस हो जैसे कोई उस पर बैठा हो, बिना कारण जबड़े में दर्द हो, जी मिचलाने लगे, पसीना आए तो ये हार्ट अटैक के लक्षण हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में आपके पास 10 मिनट हैं जो आपकी जान हैं। एंबुलेंस को फोन करें- सबसे पहले एंबुलेंस को कॉल करें, इस बात का बिल्कुल भी इंतजार न करें कि ये सब ठीक हो जाएगा। कई बार लोग सोचते हैं मैं तो ठीक हूं ये हार्टबर्न की समस्या हो सकती है। हार्ट अटैक आने पर 40% महिलाएं कॉल नहीं करतीं क्योंकि उन्हें लगता है कि यह पैनिक अटैक है। लेकिन ऐसा भूलकर भी न करें। एस्पिरिन या ब्लड थिनर साथ रखें- अब दूसरा काम हमेशा घर में एस्पिरिन या ब्लड थिनर दवाएं रखें। ऐसा कोई भी लक्षण महसूस होते ही बिना देरी किए एस्पिरिन 325 mg चबाएं। दबा को निगलने की गलती न करें आपको इसे तेजी से चबाना है चबाने से यहा 3 गुना तेजी से शरीर में घुलती है। एस्पिरिन खून को पतला करती है और उसके जमने की रफ्तार को धीमा करती है। बैठ जाएं लेटें नहीं- अब तीसरा काम कि बैठ जाएं लेटें नहीं। लेटने से दिल पर ज्यादा जोर पड़ता है। थोड़ा सीधा बैठें आप किसी दीवार, हेडबोर्ड या कुर्सी का सहारा लेकर बैठें।

सिरदर्द को सिर्फ थकान समझना पड़ सकता है भारी

सिरदर्द एक ऐसी समस्या है जिसका सामना लगभग हर व्यक्ति को करना पड़ता है। आमतौर पर आराम और नींद लेने के बाद यह परेशानी ठीक भी हो जाती है। लेकिन हर सिरदर्द को केवल थकान या तनाव मानकर नजरअंदाज करना सही नहीं है। मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स में सीनियर कंसल्टेंट, न्यूरोलॉजी और जेएमडी डॉक्टर सोनिया लाल गुप्ता कहती हैं कि कुछ मामलों में सिरदर्द गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी का शुरुआती संकेत भी हो सकता है। चलिए जानते हैं किस स्थिति में आपको सावधान हो जाना चाहिए? अगर सिरदर्द अचानक शुरू हो और इसकी तीव्रता बहुत ज्यादा हो, खासकर ऐसा दर्द जो व्यक्ति ने पहले कभी महसूस न किया हो, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। अचानक होने वाला बेहद तेज सिरदर्द कभी-कभी ब्रेन में ब्लीडिंग या दूसरी गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्या का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में घर पर दर्द की दवा लेकर इंतजार करने के बजाय तुरंत मेडिकल मदद लेनी चाहिए। अगर सिरदर्द लगातार बढ़ रहा है, पहले की तुलना में ज्यादा बार हो रहा है या इसका पैटर्न बदल गया है, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। खासतौर पर ऐसा सिरदर्द जो सुबह उठने के बाद ज्यादा हो, खांसने या जोर लगाने पर बढ़ जाए या लगातार कई दिनों तक बना रहे, उसकी जांच जरूरी हो सकती है। कुछ मामलों में ऐसे लक्षण दिमाग के अंदर बढ़े हुए दबाव से जुड़े हो सकते हैं। सिरदर्द के साथ अगर हाथ-पैर में कमजोरी या सुन्नपन, बोलने में परेशानी, चेहरे का एक हिस्सा टेढ़ा होना, चलने या संतुलन बनाने में दिक्कत, अचानक नजर धुंधली होना, बेहोशी या भ्रम जैसी समस्या हो तो यह मेडिकल इमरजेंसी हो सकती है।

जॉइंट पेन और स्टिफनेस से हैं परेशान? एक्सपर्ट के बताए इन 2 मसालों को डाइट में करें शामिल

आजकल कम उम्र में ही जोड़ों में दर्द और स्टिफनेस की समस्या बढ़ती जा रही है। दरअसल, आजकल की सेडेंटरी लाइफस्टाइल इसकी मुख्य वजह है। लंबे समय तक बैठने, कम फिजिकल एक्टिविटी की वजह से कई लोगों को जोड़ों में दर्द की समस्या तेजी से बढ़ती है। खासकर लंबे समय तक एक जगह बैठे रहने पर जोड़ों में अकड़न महसूस हो सकती है। ऐसे में आयुर्वेदिक डॉक्टर सलीम जैदी कहते हैं कि इस समस्या को कंट्रोल करने के लिए आप अपनी डाइट में हल्दी और अदरक जैसे दो मसालों को शामिल करें। उनके मुताबिक, ये दोनों मसाले जोड़ों के दर्द और स्टिफनेस से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं ये मसाले जोड़ों के दर्द में कैसे फायदेमंद है और इनका इस्तेमाल कैसे करना है?

हल्दी: हल्दी में करक्यूमिन नामक कंपाउंड होता है जो कि एक पावरफुल कंपाउंड है और यह सूजन को कंट्रोल करने में फायदेमंद है। यह आपके शरीर में एंटी इंफ्लेमेटरी के रूप में काम करती है जिससे जोड़ो के दर्द में आराम मिलता है और आपके कार्टलेज को भी डैमेज होने से बचाता है।

अदरकः अदरक भी जोड़ों के दर्द में लाभकारी है। इसमें मौजूद जिंजरोल और एंटी इंफ्लामेटरी गुण दर्द को कंट्रोल करने में मददगार हैं साथ ही यह जोड़ों की फ्लेक्सिबिलिटी को भी बढ़ाता है।

एक कप पानी में आधा चम्मच हल्दी, अदरक का छोटा सा टुकड़ा कद्दूकस कर डालें। अब इस पानी को अच्छी तरह से गर्म करें। जब पाने गर्म हो जाए तब उसे ठंडा करें। जब यह हल्का गुनगुना रहे तब इसमें शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप सुबह के समय यह पानी पियें। इसका लगातार सेवन करने से आपके जोड़ों के दर्द में आराम मिल सकता है। अपने जोड़ों के दर्द, अकड़न और स्टिफनेस की परेशानी को दूर करने के लिए रोजाना वॉक करें। मूवमेंट करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और जोड़ों तक खून का दौरा तेज होता है, जिससे जकड़न की समस्या कंट्रोल होती है। वॉक से मांसपेशियां मजबूत होती हैं जिससे जोड़ों के पास दबाव भी कम पड़ता है। जोड़ों की अकड़न कम करने के लिए लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठे से बचना भी महत्वपूर्ण है। यदि काम के कारण लगातार बैठना पड़ता है तो बीच-बीच में उठकर कुछ मिनट चलना, हल्की स्ट्रेचिंग करना और शरीर की स्थिति बदलना उपयोगी हो सकता है।

डॉक्टर बिमल छाजेर ने बताया कौन सी एक गलती आपके दिल को कर सकती है कमजोर?

दिल हमारे शरीर का सबसे जरूरी अंग है, लेकिन बिगड़ी हुई लाइफ स्टाइल में कुछ छोटी-छोटी गलतियां जैसे खराब खानपान, एक्सरसाइज की कमी जैसी आदतों का असर दिल की सेहत पर तेजी से पड़ सकता है। लेकिन, इन सबके अलावा एक और गलती है जो आपके हार्ट को कमजोर बना रही है और वह है स्ट्रेस। बहुत ज्यादा तनाव लेना आपके हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक और एमबीबीएस, एमडी डॉक्टर बिमल छाजेर ने अपने यूट्यूब वीडियो में बताया कि स्ट्रेस कैसे आपके हार्ट को कमजोर बना रहा है और आप कैसे आप अपने दिल को लंबे समय तक स्वस्थ रख सकते हैं।

तनाव का सीधा असर दिल पर होता है: तनाव हार्ट की बीमारी का सबसे बड़ा कारण है। इसे साइकोलॉजिकल स्ट्रेस भी कहते हैं। जब दिमाग में बहुत ज्यादा तनाव रहता है तो उसका सीधा असर दिल पर पड़ता है। तनाव लेने से कोर्टिसोल लेवल तेजी से बढ़ता है जिससे दिल की धड़कन भी तेजी से बढ़ने लगती है और इस वजह से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है जो हार्ट से जुड़ी बीमारियों की वजह हो सकता है।

अकेलापन भी है बड़ी वजहः डॉक्टर बिमल छाजेर कहते हैं कि हार्ट की बीमारी के पीछे लोगों में अकेलापन भी एक बड़ी वजह बनकर सामने आया है। अकेले रहने वाले लोगों में कोर्टिसोल लेवल ज्यादा तेजी से बढ़ता है। ऐसे में शरीर में लगातार स्ट्रेस बढ़ता है जिससे बीपी और सूजन की समस्या भी तेजी से बढ़ती है और लोग हार्ट के मरीज बन जाते हैं। ऐसे में अपने आप को हेल्दी रखने के लिए जरूरी है कि अपना सोशल सर्कल बनाएं। लोगों से मिले जुलें। यह आदत आपकी हार्ट हेल्थ को बेहतर कर सकती है।

अपने हार्ट को हेल्दी रखने के लिए स्ट्रेस को कम करने के अलावा अपनी जीवनशैली बेहतर करें। अपनी डाइट को हेल्दी रखें। जंक फूड और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ का सेवन न करें। रोजाना एक घंटे तक वर्कआउट करें। साथ ही अपनी वर्कआउट रूटीन में वॉक को जरूर शामिल करें। लगातार दर्द या सूजन रहने पर इसके पीछे गठिया, चोट, विटामिन की कमी या अन्य कारण हो सकते हैं। ऐसे मामलों में चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

गर्म चाय-कॉफी पीने की आदत पड़ सकती है भारी, 3 गुना बढ़ सकता है एसोफैगस कैंसर का खतरा

भारत में चाय कॉफी पीने वालों की लंबी फेहरिस्त है, जिसमें कुछ लोग बहुत ज्यादा गर्म चाय या कॉफी जैसे पेय पदार्थों का सेवन करना पसंद करते हैं। लेकिन अब आपको थोड़ा रुकना चाहिए, क्योंकि बहुत गर्म चाय कॉफी पीने की आदत से आपको भोजन की नली यानि एसोफैगस कैंसर का खतरा तीन गुना तक बढ़ सकता है। जी हां इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैंसर में छपी एक स्टडी के मुताबिक तेज गर्म पेय पदार्थों का दिन में कई बार सेवन करने से ग्रासनली के कैंसर का खतरा तीन गुना बढ़ जाता है। करीब 10 लाख लोगों पर ये रिसर्च किया गया, जिसमें खासतौर से ग्रासनली के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एससीसी) के मामले पाए गए। ये दुनिया भर में ग्रासनली के कैंसर का सबसे आम रूप है। खाने की नली के रूप में जानी जाने वाली ग्रासनली, एक मांसपेशीय नली है जो खाने और पेय पदार्थों को आपके मुंह से आपके पेट तक पहुंचाती है। WHO की कैंसर एजेंसी, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के मुताबिक, 2020 में दुनियाभर में ग्रासनली के कैंसर के करीब 604,000 नए मामले सामने आए और करीब 544,000 मौतें हुईं। एजेंसी का अनुमान है कि 2040 तक वैश्विक मामलों में 50% से अधिक की वृद्धि होगी और हर साल लगभग 10 लाख नए मामले सामने आएंगे। रिसर्च में शामिल लोगों से पूछा गया कि वो रोजाना कितने गर्म पेय पदार्थ पीते हैं। लोगों को इसमें से रोजाना 6 से कम गर्म पेय या रोज 6 या उससे ज्यादा पेय पदार्थों का ऑप्शन चुनना था।

देश के निर्यात में 26% की बंपर बढ़ोतरी, सोने के आयात में भारी गिरावट

भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.12 प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 43.81 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके अलावा, सोने के आयात में गिरावट से देश का व्यापार घाटा भी घटकर 5 महीने के निचले स्तर 26.86 अरब डॉलर पर आ गया। मंगलवार को जारी वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में देश का आयात 14.1 प्रतिशत बढ़कर 70.76 अरब डॉलर रहा। इस दौरान कच्चे तेल, परियोजना वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक सामान, चांदी तथा कोयला और कोक के आयात में बढ़ोतरी हुई। अगस्त में सोने का आयात 57.75 प्रतिशत घटकर 2.3 अरब डॉलर रह गया। वहीं, कच्चे तेल का आयात 37.28 प्रतिशत बढ़कर करीब 16 अरब डॉलर रहा। पिछले महीने ब्रेंट क्रूड की कीमत 90 से 94 डॉलर प्रति बैरल के बीच रही। अगस्त में निर्यात वृद्धि जून, 2022 के बाद सबसे ज्यादा रही। जून, 2022 में निर्यात 30.12 प्रतिशत बढ़ा था। अगस्त में इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 90 प्रतिशत, 25 प्रतिशत और 63.27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

पेट फूलना और लगातार दर्द को नजरअंदाज न करें, हो सकता है पेरिटोनियल कैंसर का लक्षण

कैंसर को लोग आमतौर पर शरीर में गांठ या ट्यूमर के रूप में जानते हैं। लेकिन कुछ कैंसर ऐसे भी हैं जो पेट के अंदर मौजूद अंगों को ढकने वाली पतली परत यानी पेरिटोनियम को प्रभावित करते हैं। इसे पेरिटोनियल कैंसर कहते हैं। कई मामलों में यह कैंसर खुद पेरिटोनियम से शुरू हो सकता है, जबकि कुछ केस में पेरिटोनियल कैंसर जैसी स्थिति किसी दूसरे कैंसर के पेट की अंदरूनी परत तक फैलने के कारण हो सकती है। पेट, आंत, अपेंडिक्स, अंडाशय और कुछ दूसरे कैंसर पेरिटोनियम तक फैल सकते हैं। डॉक्टर अरुण कुमार गोयल (चेयरमैन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल, सोनीपत) से जानते हैं इसके लक्षण क्या हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है? पेरिटोनियम पेट की अंदरूनी दीवार और पेट के ज्यादातर अंगों को ढकने वाली एक पतली झिल्ली है। जब कैंसर कोशिकाएं इस सतह पर फैलकर कई जगह छोटी-बड़ी गांठें बनाने लगती हैं, तो इसे पेरिटोनियल कार्सिनोमैटोसिस कहा जाता है। ये किसी बीमारी के काफी एडवांस स्टेज के लक्षण हो सकते हैं। पेरिटोनियल कैंसर की सबसे बड़ी चुनौती ये है कि इसके शुरुआती लक्षण पेट की आम समस्याओं के जैसे लगते हैं। जिसमें पेट फूलना, गैस, अपच या कब्ज जैसी शिकायतें हो सकती हैं। इन लक्षणों को लोग लंबे समय तक नजरअंदाज करते रहते हैं। यही वजह है कि लगातार बने रहने वाले या धीरे-धीरे बढ़ते लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पेरिटोनियल कैंसर कितनी तेजी से फैल सकता है ये कैंसर के टाइप और उसके नेचर पर निर्भर करता है, जिससे वह पैदा हुआ है।

रूस से कच्चा तेल खरीदने वालों पर 100% टैरिफ लगाने की तैयारी में अमेरिका

अमेरिकी सरकार, भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है। इस बारे में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में कल यानी गुरुवार को एक विधेयक पेश किया जाना है, जिसमें रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान है। जानें ये पूरा मामला क्या है। बता दें कि अमेरिकी संसद में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले संशोधित विधेयक को पेश किया जाना है, जिसमें भारत-चीन समेत कई देशों के नाम को जोड़ा जा रहा है। इस संशोधित विधेयक पर अमेरिकी संसद में गुरुवार को वोटिंग होगी। इस विधेयक के जरिए रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका 100 फीसदी टैरिफ लगाने वाला है। अमेरिका का मानना है कि रूस के कच्चे तेल का कारोबार यूक्रेन के खिलाफ चल रहे युद्ध को आर्थिक मदद दे रहा है। विधेयक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस के प्रमुख तेल खरीदार देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार देने का प्रस्ताव है। इनमें चीन और भारत जैसे देश शामिल हैं। इसका मतलब है कि रूस से तेल कारोबार करने वाले इन देशों को विधेयक में प्रस्तावित माध्यमिक टैरिफ के दायरे में स्पष्ट रूप से लाया जा सकता है।

योगी सरकार का बुंदेलखंड को तोहफा, ₹1008 करोड़ से बनेगा 6-लेन चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे

बुंदेलखंड के लोगों और चित्रकूट धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। योगी सरकार ने चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के संशोधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। करीब 1,008.67 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह छह लेन का ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे चित्रकूट धाम को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। एक्सप्रेसवे तैयार होने के बाद यहां सफर पहले के मुकाबले तेज, आसान और व्यवस्थित होने की उम्मीद है। इस सड़क पर वाहन 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से चल सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में परियोजना के संशोधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण पर कुल 1,008.67 करोड़ रुपये खर्च होंगे। खास बात यह है कि इस परियोजना का पूरा खर्च उत्तर प्रदेश सरकार उठाएगी। इसमें केंद्र सरकार की किसी तरह की वित्तीय भागीदारी प्रस्तावित नहीं है। प्रस्तावित चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 15.172 किलोमीटर होगी। इसे इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन यानी EPC मोड पर बनाया जाएगा। एक्सप्रेसवे करीब 110 मीटर चौड़ा और छह लेन का होगा। इस पर वाहनों के लिए अधिकतम निर्धारित गति 120 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

जंगली बादाम क्या होता है, इसे खाने से कौन से फायदे मिलते हैं, कैसे इस्तेमाल करें

बादाम पूरी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लोग बादाम को भिगोकर, किसी मिठाई में मिलाकर या किसी दूसरी रेसिपी में इस्तेमाल करते हुए खाते हैं। ये बादाम नॉर्मल बादाम होता है लेकिन क्या आप जानते हैं एक जंगली बादाम भी होता है जो समुद्र तटीय इलाकों में ऊंचाई पर पाया जाता है। जंगली बादाम का फल थोड़ा चपटा, नुकीला और अण्डाकार होता है। इसके किनारे लाल और बैगनी होते हैं और हर फल में एक बीज होता है। सीजन पर इसमें फल और फूल उगते हैं। आचार्य बाल कृष्ण के मुताबिक जंगली बादाम का इस्तेमाल कई दवाओं और आयुर्वेदिक उपचार में किया जाता है। जंगली बादाम अम्ल, मधुर, कषाय, शीत और पित्तशामक होता है। इसकी छाल, पत्ते और कच्चे फल का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसे डायबिटीज में काफी फायदेमंद माना जाता है। आइये जानते हैं जंगली बादाम खाने से क्या फायदे मिलते हैं?

सिर दर्द में राहत- जंगली बादाम खाने से सिरदर्द कम होता है। विशेषज्ञों की मानें तो जंगली बादाम की पत्तियों का रस निकालकर नाक में 1-2 बूंद डालने या इस रस को पीने से सिरदर्द में काफी आराम मिलता है। कुछ लोग बादाम की गिरी को सरसों के तेल के साथ पीसकर सिर पर लगाते हैं। इससे सिर का दर्द दूर होता है।

दस्त रोकने में मदद- दस्त से परेशान रहते हैं और समझ नहीं आ रहा कि जल्दी राहत कैसे पाएं तो आप जंगली बादाम का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस बादाम की पत्ती और छाल में टैनिन होता है जो दस्त को रोकने का काम करता है। अगर सिर्फ पेट दर्द है तो जंगली बादाम की पत्तों का रस निकालकर इसमें काला नमक मिलाकर 5 एमएल पी लें।

गठिया में आराम- उम्र बढ़ने के साथ लोगों को जोड़ों में दर्द की समस्या होने लगती है। गठिया से परेशान लोगों के लिए जंगली बादाम की पत्तियां काम की हैं। पत्तों को पीसकर जोड़ों पर लगा लें। इसका नियमित रस से इस्तेमाल करने से गठिया के दर्द से आराम मिलता है।

बुखार में राहत- अगर बुखार के लिए घरेलू उपाय इस्तेमाल करना चाहते हैं तो जंगली बादाम की तने की छाल का काढ़ा बनाकर पी लें। इससे बुखार में काफी आराम मिलता है। हालांकि आपको इसकी खुराक से जुड़ी जानकारी के लिए किसी नजदीकी आयुर्वेदिक चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार जंगली बादाम के पेड़ की छाल, पत्तियों, बीज और फल सभी का इस्तेमाल अलग-अलग तरीकों से किया जाता है। अगर आपको इसे किसी बीमारी के लिए उपयोग करना है तो किसी आयुर्वेदिक चिकित्सक से सलाह लें और उसके बाद ही इस्तेमाल करें।

नीतीश कुमार ने बुलाई JDU के सभी सांसदों, विधायकों और विधान परिषद के नेताओं की बैठक

देश के 21 राज्यों में यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी UCC लागू करने के अमित शाह के बयान के बाद सियासी घमासान शुरू हो चुका है। AIMIM चीफ असदउद्दीन ओवैसी ने इसे गैर हिंदुओ पर हिंदुओं के कानून थोपने की कोशिश करार दिया है। भोपाल में अपनी पार्टी की रैली में ओवैसी ने सरकार को चुनौती की दी कि वो देश के आदिवासियों को UCC के तहत लाकर दिखाए। ओवैसी ने कहा कि सरकार हमेशा मुसलमानों को टारगेट करती है। वहीं, बिहार में भी UCC को लेकर सुगबगाहट है। खबर है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज जेडीयू के सभी सांसदों, विधायकों और विधान परिषद के नेताओं की बैठक बुलाई है। इस बैठक में यूसीसी को लेकर चर्चा हो सकती है। दरअसल, देश में यूसीसी पर ये बहस केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद शुरू हुई है। रविवार को मुंबई में शाह ने दावा किया कि 2029 से पहले देश के 21 राज्यों में UCC बिल पेश कर दिया जाएगा। शाह के इस बयान के बाद सियासत तेज हो गई। साथ ही एक्शन भी शुरू हो गया। बीजेपी विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में UCC लागू करने की तैयारी करने में जुट गई है। मंगलवार को सुबह-सुबह सीएम योगी आदित्यनाथ सिर्फ चार घंटे के लिए दिल्ली आए। जिस वक्त अमित शाह से योगी की मीटिंग चल रही थी, उसी वक्त लखनऊ से बड़ा बयान आया। योगी सरकार के सीनियर मंत्री भूपेन्द्र चौधरी ने ऐलान कर दिया कि यूपी में UCC बिल जल्दी ही विधानसभा में पेश किया जाएगा।

इसके बाद पूरे सूबे में सियासी बयानबाजी ऊफान पर आ गई। UCC पर अमित शाह के बयान के बाद हर राज्य में सुगबुगाहट तेज हो चुकी है। लेकिन बिहार में UCC पर बीजेपी की राह आसान नहीं है। JDU के दो विधायकों ने UCC का खुलकर विरोध किया लेकिन बाकी नेताओं ने मामले को संभालने की कोशिश की।

इस बीच सूत्र बता रहे हैं कि नीतीश कुमार ने पार्टी के सभी सांसदों,

विधायकों और विधान परिषद सदस्यों की बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि इस बैठक में फरक्का जल संधि और UCC पर विचार विमर्श हो सकता है।

इस मीटिंग से पहले बिहार के डिप्टी सीएम और JDU के बड़े नेता विजय चौधरी ने कहा कि सारी आशंकाएं दूर होने के बाद जेडीयू अपना रुख तय करेगी। बता दें कि इससे पहले अगस्त में भी नीतीश कुमार ने दिल्ली में भी सांसदों की बैठक की थी। बैठक में उन्होंने बिहार को लेकर सांसदों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए थे।

यूपी और बिहार में UCC बड़ा मुद्दा होगा लेकिन बीजेपी शासित दूसरे राज्यों में UCC को लागू करने में कोई ज्यादा दिक्कत नहीं दिख रही हैं। उत्तराखंड में साल 2025 से UCC लागू हो चुका है। गोवा में पहले से ही यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू है।

गुजरात, असम और मध्य प्रदेश की विधानसभाओं में ये बिल पास हो चुका है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में काम एडवांस स्टेज पर है। वहीं, अब बंगाल में भी UCC बिल को लाने की तैयारी है। सीएम शुभेंदु अधिकारी विधानसभा में इसका ऐलान कर चुके हैं। वहीं, महाराष्ट्र की सरकार को भी कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार है।

फर्जी प्रमाणपत्र से MBBS में दाखिला लेने वाली 4 छात्राओं पर FIR

उत्तराखंड में स्वतंत्रता सेनानी आश्रित कोटे के तहत कथित फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिए MBBS में दाखिला लेने के मामले में चार छात्राओं समेत पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मामले के सामने आने के बाद चारों छात्राओं के MBBS दाखिले रद्द कर दिए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, फर्जी प्रमाणपत्रों की शिकायत मिलने के बाद देहरादून के जिलाधिकारी ने प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए मुख्य विकास अधिकारी और अपर जिलाधिकारी की संयुक्त जांच समिति गठित की थी। समिति की जांच में प्रमाणपत्र प्रथम दृष्टया संदिग्ध पाए गए। साथ ही, प्रमाणपत्रों में दिए गए पते का भी सत्यापन नहीं हो सका। पुलिस ने क्लेमेंट टाउन थाने में त्रिप्ति और उसकी मां उमा देवी के खिलाफ कथित तौर पर फर्जी स्वतंत्रता सेनानी आश्रित प्रमाणपत्र हासिल करने के आरोप में FIR दर्ज की है। वहीं, रायपुर थाने में खुशी, परी और स्वाति के खिलाफ प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने के मामले में अलग FIR दर्ज की गई है। देहरादून के जिलाधिकारी आशीष चौहान ने बताया कि शिकायतें सामने आने के बाद संयुक्त जांच कराई गई।

'मम्मी-पापा I Love You, पढ़ाई का प्रेशर नहीं झेल सकती', शनाया ने छोड़ा दर्द भरा नोट

गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र स्थित गौर सिद्धार्थम सोसाइटी में एक किशोरी की 15वीं मंजिल से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे की है। पुलिस को 7 बजे डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि गौर सिद्धार्थम सोसाइटी के आई टावर की 15वीं मंजिल से एक लड़की गिर गई है। सूचना पर थाना विजयनगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। किशोरी की पहचान 16 वर्षीय शनाया बिष्ट पुत्री देवेंद्र सिंह निवासी फ्लैट नंबर 1576, आई टावर गौर सिद्धार्थम सोसाइटी के रूप में हुई। शनाया इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल में कक्षा 10 में पढ़ती थी। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। शुरुआती जांच में इस नोट में छात्रा ने पढ़ाई के दबाव और उससे परेशान होने का जिक्र किया है। पुलिस ने सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर उसकी हैंडराइटिंग की जांच शुरू कर दी है। शनाया ने अपने माता-पिता से अपनी छोटी बहन रिद्धि, दादी और परिवार के अन्य सदस्यों का ख्याल रखने की बात कही है। उसने दोस्तों से भी अपील की है कि वे उसकी वजह से अपनी जिंदगी प्रभावित न करें और अपने भविष्य पर ध्यान दें। सुसाइड नोट में शनाया ने मौसी-मौसा, मामा-मामी, चाचा-चाची और नानी समेत परिवार के अन्य सदस्यों का भी जिक्र किया है। उसने रिद्धि और मिष्ठी को संबोधित करते हुए उन्हें अपने बारे में ज्यादा न सोचने और जीवन में सफल होने की बात लिखी है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है। ACP कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सुसाइड नोट और हैंडराइटिंग की जांच के साथ-साथ पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं को भी खंगाल रही है। वहीं, आज एक और सनसनीखेज मामला बिजनौर से सामने आया है। यहां पत्नी की सलवार पहने पति का फंदे से लटकता शव मिला, जबकि नदी किनारे बीवी की अर्धनग्न लाश पड़ी मिली। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के लोगों और सोसाइटी में मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई है। अधिकारियों के अनुसार, किशोरी के मोबाइल फोन और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है, ताकि घटना से पहले की परिस्थितियों के बारे में जानकारी मिल सके। सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग की जांच को मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस यह सत्यापित करने का प्रयास कर रही है कि नोट किशोरी ने ही लिखा था या नहीं। इसके साथ ही पुलिस पढ़ाई से जुड़े दबाव के अलावा घटना के पीछे किसी अन्य संभावित कारण की भी जांच कर रही है।

लंदन में CM विजय का कार्यक्रम रद्द, द शार्ड के बाहर घंटों इंतजार करते रहे प्रशंसक

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के लंदन स्थित प्रतिष्ठित द शार्ड के पास प्रस्तावित सार्वजनिक कार्यक्रम को मंगलवार को सुरक्षा कारणों के चलते रद्द कर दिया गया। पुलिस की ओर से भीड़ की सुरक्षा को लेकर चिंता जताए जाने के बाद कार्यक्रम के लिए जरूरी अनुमति नहीं मिल सकी। विजय की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में समर्थक द शार्ड के बाहर जुटे थे। कई प्रशंसक घंटों से उनका इंतजार कर रहे थे। कार्यक्रम रद्द होने की घोषणा के बाद समर्थकों में निराशा देखने को मिली। कुछ लोग उनसे मिलने के लिए दूर-दराज के इलाकों से पहुंचे थे और उन्होंने दिन का बड़ा हिस्सा कार्यक्रम स्थल के बाहर बिताया। विजय की टीम के एक सदस्य ने लाउडस्पीकर के जरिए समर्थकों को कार्यक्रम रद्द होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण आवश्यक अनुमति हासिल नहीं हो सकी। एक समर्थक ने PTI से बातचीत में कहा कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फैसला उचित है, लेकिन बड़ी संख्या में लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। विजय इन दिनों ब्रिटेन के दौरे पर हैं और तमिलनाडु सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। यह दौरा राज्य में वैश्विक निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से आयोजित निवेश आउटरीच मिशन का हिस्सा है।

फेसबुक लाइव कर 198 KM/H की रफ्तार में दौड़ाई कार, डंपर में जा घुसी, दो बच्चों के पिता की मौके पर मौत

राजस्थान के टोंक जिले में तेज रफ्तार का खौफनाक नतीजा सामने आया है। देवली-टोंक राजमार्ग पर पोल्याडा के पास मंगलवार सुबह तेज रफ्तार कार आगे चल रहे डंपर में जा घुसी। हादसे में कार सवार 41 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राजाराम (41) पुत्र जगदीश जाट, निवासी जनकपुरा टोरड़ी, थाना मालपुरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राजाराम खेती का काम करता था और दो बच्चों का पिता था। जानकारी के मुताबिक, राजाराम मंगलवार सुबह कार से देवली से टोंक की ओर जा रहा था। इसी दौरान वह फेसबुक पर लाइव भी था। सामने आए लाइव वीडियो में कार की रफ्तार करीब 197-198 किलोमीटर प्रति घंटे दिखाई दे रही है। इसी दौरान दूनी क्षेत्र के पोल्याडा के पास कार आगे चल रहे डंपर में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और राजाराम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की। पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जा रहा है कि मृतक के एक बच्चे की MBBS की पढ़ाई चल रही है। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद राजाराम के फेसबुक अकाउंट से सामने आया कथित लाइव वीडियो चर्चा में है। वीडियो में कार की रफ्तार 197 से 198 किलोमीटर प्रति घंटे के आसपास दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। राजाराम कार चलाते समय सोशल मीडिया पर लाइव था। हादसे से पहले वीडियो में दिखाई दे रही तेज रफ्तार और उसके कुछ ही देर बाद डंपर से हुई टक्कर ने सड़क सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जानबूझ कर लापरवाही बरती गई है। इसी के चलते ये हादसा हुआ है। तनाव को पूरी तरह खत्म करना हमेशा संभव नहीं होता, लेकिन उसे नियंत्रित करने के लिए रोजमर्रा की आदतों में बदलाव किया जा सकता है। पर्याप्त नींद लेना, नियमित शारीरिक गतिविधि करना और काम के बीच छोटे-छोटे ब्रेक लेना तनाव को संभालने में मदद कर सकता है। योग, ध्यान और गहरी सांस लेने जैसी गतिविधियां भी कुछ लोगों के लिए उपयोगी हो सकती हैं।

दिल्ली चिड़ियाघर में केयरटेकर पर झपटा बंदर... उंगली कटी, पैरों में गहरे घाव; टूरिस्ट पर भी किया हमला

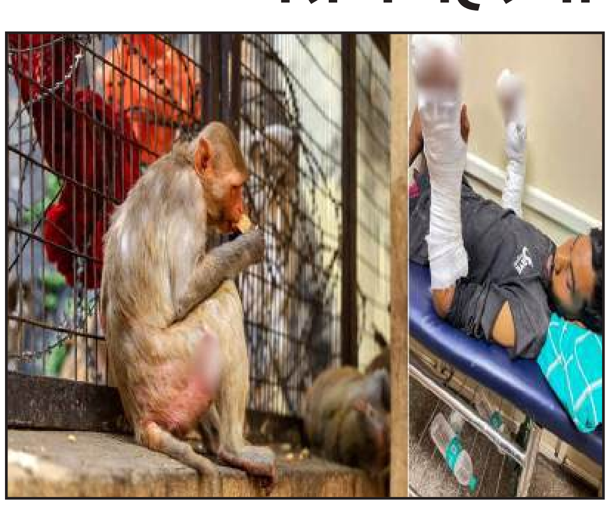

दिल्ली चिड़ियाघर में कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर लापरवाही सामने आई। चिड़ियाघर में बाड़े से बाहर आए एक बंदर के हमले में एक कर्मचारी और एक टूरिस्ट घायल हो गए। बंदर के हमले में कर्मचारी की एक अंगुली कट गई और उसके दोनों पैरों पर गहरे घाव हो गए। इस घटना से वहां आए लोगों में अफरातफरी मच गई। इसके बाद चिड़ियाघर के अधिकारी घायल केयरटेकर को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। चिड़ियाघर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसी बंदर ने दिसंबर 2025 में एक और कर्मी पर हमला किया था। यह घटना सोमवार सुबह हुई, जब देखभाल कर्मी आलोक गैलरी में गए। यह जगह जानवरों के बाड़ों के बाहर होती है तथा इसका इस्तेमाल केयरटेकर और चिड़ियाघर के दूसरे कर्मचारी करते हैं। आलोक ने बताया कि रविवार रात बंदर (बोनट मकाक प्रजाति) अपने बाड़े से बाहर निकल आया, क्योंकि उसका गेट ठीक से बंद नहीं किया गया था ऐसे में वह केयरटेकर गैलरी में घुस गया। 'बोनट मकाक' भूरे रंग का बंदर है जो आम तौर पर दक्षिण भारत में पाया जाता है। वह अपनी फुर्ती और तीखे हमले के लिए जाना जाता है। आलोक ने बताया, "जब मैं केयरटेकर गैलरी में गया तो बंदर पहले से ही वहां था। इससे पहले कि मैं कुछ कर पाता या किसी को बुला पाता, उसने मुझ पर हमला कर दिया। उस समय वहां कुछ टूरिस्ट भी मौजूद थे।" उन्होंने कहा कि बाद में बंदर ने एक टूरिस्ट पर भी हमला कर दिया।

'राहुल गांधी झूठे आरोप लगा रहे, 2000 से ज्यादा के UPI ट्रांजैक्शन पर फीस लगाने का नहीं है कोई प्लान'- रामदास आठवले

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब दिया है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उन आरोपों को खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि ज्यादा कीमत वाले डिजिटल ट्रांजैक्शन पर शुल्क लग सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 2,000 रुपये से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क लगाने का फैसला नहीं किया है। आठवले ने इन दावों को पूरी तरह से "बेबुनियाद और झूठा" बताया। समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए आठवले ने कांग्रेस नेता पर निशाना साधा और कहा कि सरकार के पास अभी कोई ट्रांजैक्शन शुल्क शुरू करने या बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं है। आठवले ने ANI को बताया, 'अब राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि अगर ट्रांजैक्शन 2,000 रुपये से ज्यादा का होता है, तो सरकार उस पर शुल्क लगाने पर विचार कर रही है। राहुल गांधी का यह आरोप झूठा है। अभी सरकार के सामने ऐसा कोई मामला नहीं है जिसमें किसी शुल्क को शुरू करने या बढ़ाने की बात हो।' आठवले ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने हमेशा 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (कारोबार में आसानी) को प्राथमिकता दी है और वह व्यापारियों पर बोझ नहीं डालेगी। उन्होंने कहा, 'आगे चलकर सरकार जो भी फैसला सही समझेगी, वह लेगी, लेकिन सरकार का रुख कभी भी व्यापारियों और कारोबारियों को परेशान करने का नहीं रहा है।' इस आरोप को खारिज करते हुए कि भारत के नीतिगत फैसले विदेशी ताकतों से प्रभावित होते हैं, अठावले ने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार बाहरी दबाव में काम नहीं करती है और दुनिया भर में स्वतंत्र और संतुलित द्विपक्षीय संबंध बनाए रखती है। आठवले ने कहा, 'इसके अलावा, सरकार पर अमेरिका का कोई दबाव नहीं है। नरेंद्र मोदी सरकार चीन, रूस, ईरान और सभी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखती है। अमेरिका के साथ भी हमारे अच्छे व्यापारिक संबंध हैं। इसलिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारी भारतीय सरकार पर अमेरिका का कोई दबाव नहीं है।' यह दोहराते हुए कि डिजिटल ट्रांजैक्शन के बारे में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया है, मंत्री ने कहा, 'अभी तक 2,000 रुपये से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगाने का कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसलिए, राहुल गांधी झूठे आरोप लगा रहे हैं और इन आरोपों में कोई सच्चाई या तथ्य नहीं है।' आठवले का यह बयान तब आया जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने BJP के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने UPI पर चार्ज लगाने की प्रक्रिया शुरू करके अमेरिकी पेमेंट कंपनियों के दबाव के आगे घुटने टेक दिए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि भले ही सरकार का दावा है कि ग्राहकों से सीधे कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा, लेकिन 2,000 रुपये से ज्यादा के मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) की इजाजत देने से आखिरकार रिटेल कीमतें बढ़ेंगी। उन्होंने कहा, 'मोदी सरकार ने चुपचाप UPI पर फीस लगाने का रास्ता खोल दिया है। अब 2,000 रुपये से ज्यादा के मर्चेंट UPI ट्रांजैक्शन पर MDR लगाया जा सकता है।

स्वतंत्र भारद्वाज से जुड़ी बड़ी खबर, पटियाला हाउस कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां सोशल मीडिया पर अपने बयानों से चर्चा में आए स्वतंत्र भारद्वाज को अंतरिम जमानत मिल गई है। बता दें कि दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने स्वतंत्र भारद्वाज को तीन हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत दी है। इससे पहले स्वतंत्र भारद्वाज को मारपीट से जुड़े एक बयान की वजह से गिरफ्तार कर पुलिस कस्टडी में भेजा गया था। स्वतंत्र भारद्वाज ने 14 साल के CJP एक्टिविस्ट के पिता संजय आजाद के साथ मारपीट की बात कही थी। दरअसल, CJI के खिलाफ विरोध करने वाले पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को अंतरिम जमानत मिल गई है। पटियाला हाउस कोर्ट ने स्वतंत्र भारद्वाज को तीन हफ़्ते की अंतरिम जमानत दी है। इससे पहले सोमवार को दिल्ली की एक अदालत ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान एक स्टूडेंट एक्टिविस्ट के पिता पर कथित हमले और अन्य आरोपों के मामले में इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज की जमानत अर्जी पर अपना आदेश 15 सितंबर तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। यह कार्रवाई CJP कार्यकर्ता निशु आजाद की शिकायत पर की गई थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि भारद्वाज ने उनके पिता संजय पर हमला किया था।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415